मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार,28 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद शुक्ल 5 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 355 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ आ बैल, मुझे मार!

आईसीसी ओडीआई रेटिंग: शुभमन गिल और रोहित शर्मा वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर कायम ◂ 6

विधानसभा के मानसून सत्र का आज आखिरी दिन

विस में शिबू सोरेन को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पास

● गुरुजी को मिला तो भारत रत्न पाने वाले पहले आदिवासी होंगे ● सदन शुरू होते ही हुई नारेबाजी, कार्यवाही स्थगित

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा में आज महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित हुआ। मंत्री दीपक बिरुवा ने शिबू सोरेन को भारत रत्न देने का प्रस्ताव सदन में रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने चर्चा के दौरान यह सुझाव दिया कि जयपाल सिंह मुंडा और विनोद बिहारी महतो के नाम भी भारत रत्न के लिए भेजे जाने चाहिए। वहीं, विधायक राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अब तक किसी भी आदिवासी नेता को भारत रत्न की उपाधि नहीं दी गई है, इसलिए गुरुजी शिबू सोरेन को यह सम्मान मिलना चाहिए। प्रस्ताव पारित होने के समय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी सदन में मौजूद रहीं।

ज्ञात हो कि झारखंड विधानसभा के पूरक मानसून सत्र का आज आखिरी दिन है। बीते दिनों चले सदन की कार्यवाही की तरह ही आज भी हंगामे और प्रदर्शन के साथ शुरूआत हुई। सदन के भीतर पक्ष और विपक्ष दोनों ने नारेबाजी की। पक्ष ने जहां विपक्ष पर वोट चोरी के आरोप लगाए तो वहीं विपक्ष भी चुप नहीं रहा।

नेपाल सीमा से बिहार में घुसे जैश के तीन पाकिस्तानी आतंकी, राज्यभर में हाई अलर्ट

नई दिल्लीः बिहार पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने नेपाल के रास्ते पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के बिहार में प्रवेश की खुफिया जानकारी मिलने के बाद राज्यव्यापी हाई अलर्ट जारी कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन संदिग्ध सदस्य नेपाल सीमा के रास्ते बिहार में घुसपैठ कर चुके हैं। बिहार पुलिस के अनुसार, उनकी पहचान रावलपिंडी निवासी हसनैन अली, उमरकोट निवासी आदिल हुसैन और बहावलपुर निवासी मोहम्मद उस्मान के रूप में हुई है। पीएचक्यू ने सत्यापन और निगरानी बढ़ाने के लिए सीमावर्ती जिलों में उनके नाम, तस्वीरें और पासपोर्ट विवरण भेज दिए हैं।

खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि वे अगस्त के दूसरे सप्ताह में काठमांडू पहुँचे थे और पिछले सप्ताह बिहार में दाखिल हुए थे। मुख्यालय ने सीमावर्ती जिलों की पुलिस के साथ संदिग्धों के पासपोर्ट संबंधी विवरण साझा किए हैं। सुरक्षा एजेंसियों को निगरानी बढ़ाने और खुफिया जानकारी एकत्र करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला खुफिया इकाइयों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है।

बिहार में, ऑपरेशन सिंदूर और इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद के हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए मई में भारत-नेपाल सीमा और सीमांचल जिलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। मधुबनी, सीतामढी, सुपौल, अररिया, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण जिले समेत सीमावर्ती इलाकों में गश्त बढ़ा दी गयी है।

बिहार की नेपाल सीमाः नेपाल के साथ बिहार की 729 किलोमीटर लंबी खुली सीमा इसे घुसपैठ का एक प्रमुख केंद्र बनाती है।

राज्य के सात जिले इस सीमा को सीधे साझा करते हैं, जिससे चौबीसों घंटे निगरानी करना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। इस सीमा की संवेदनशीलता को और बढ़ाते हुए, बांग्लादेश की सीमा किशनगंज जिले से केवल 20 किलोमीटर दूर है।

भारत सात देशों - चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान - के साथ स्थलीय सीमाएँ साझा करता है, जबकि इसकी समुद्री सीमाएँ इसे श्रीलंका, मालदीव और इंडोनेशिया से जोड़ती हैं।

'मतदाता अधिकार यात्रा' सीतामढ़ी में बोले राहुल गांधी-

'हम एक वोट भी चुराने नहीं देंगे'

बिहार की मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख गरीबों के नाम

सीतीमढ़ीः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि बिहार की मतदाता सूची से 65 लाख गरीब और सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। 'मतदाता अधिकार यात्रा' के तहत सीतामढ़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए, गांधी ने कहा कि बिहार के लोग भाजपा और चुनाव आयोग को अपने वोट के अधिकार से छीनने की अनुमति नहीं देंगे। जानकी मंदिर में दर्शन व पूजा-अर्चना करने के बात राहुल ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग बिहार में 'वोट चोरी' करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए हमने यहां 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली है। भाजपा और चुनाव आयोग ये जान लें कि बिहार की जनता जागरूक है, वो इन्हें 'वोट चोरी' करने नहीं देगी।

राहुल गांधी ने कहा कि बिहार ने अपनी पूरी ताकत 'वोटर अधिकार यात्रा' में डाल दी है। आज यहां का बच्चा-बच्चा ये कह रहा है कि नरेंद्र मोदी 'वोट चोरी' करते हैं। वोट चोर - गद्दी छोड़। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हमने सबूत के साथ दिखाया है कि बीजेपी ने 'वोट चोरी' की है। भाजपा के लोग ध्यान से सुन लें- हमने अभी सिर्फ एक विधानसभा का सबूत दिया है। आने वाले समय में हम लोकसभा, हरियाणा और बाकी प्रदेशों में भी 'वोट चोरी' का सबूत देंगे। हम ये साबित कर देंगे कि बीजेपी-आरएसएस 'वोट चोरी' कर ही चुनाव जीतते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि बाबा साहेब ने हमें जो संविधान दिया है, वो एक पवित्र किताब है। इसमें हमारे देश की सोच है, विचारधारा है। संविधान ने ही दलितों को सम्मान और स्वाभिमान से जीने का अधिकार दिया है, लेकिन बीजेपी के लोग ये अधिकार आपसे छीनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में जो 65 लाख वोट कटे हैं, उनमें दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, गरीबों के नाम हैं।।। अमीरों का नाम नहीं है। भाजपा आपकी आवाज को दबाना चाहती है, लेकिन मैं ये साफ कह दूं- हम आपके साथ खड़े हैं, इन्हें आपकी आवाज दबाने नहीं देंगे।

महाराष्ट्र : पालघर में चार मंजिला इमारत ढही अब तक 15 की मौत,रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

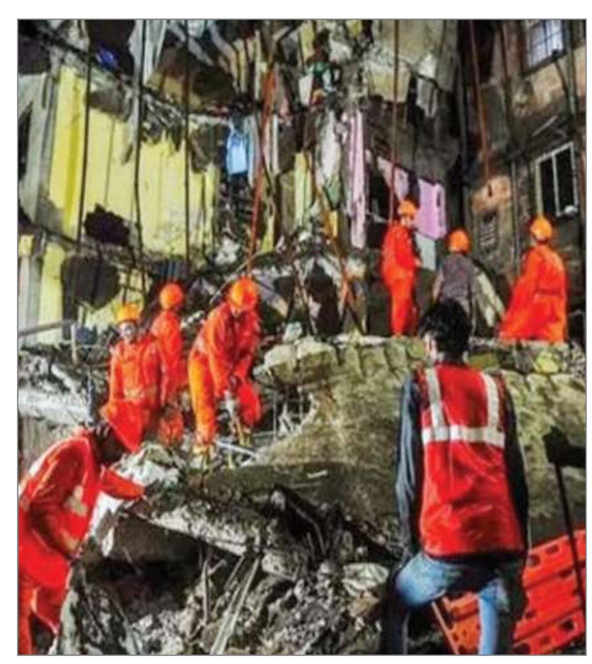

पालघर/विरार : महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां रामाबाई अपार्टमेंट नाम की चार मंजिला इमारत का पिछला हिस्सा अचानक गिर गया। इस हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक मां-बेटी की जोड़ी भी शामिल है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जबकि राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है।

यह हादसा सुबह करीब 12:05 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि यह इमारत 2012 में बनाई गई थी, लेकिन इसके निर्माण के लिए कोई वैध अनुमति नहीं ली गई थी। वसई-विरार नगर निगम ने पहले ही इसे गैरकानूनी घोषित किया था। हादसे के बाद पुलिस ने इमारत के बिल्डर को हिरासत में ले लिया है।

इमारत में कुल 50 फ्लैट थे, जिनमें से 12 फ्लैट उस हिस्से में थे जो ढह गया। हादसे के तुरंत बाद नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की दो टीमें मौके पर पहुंच गईं। शुरू में मलबा हटाने का काम हाथों से किया गया, क्योंकि संकरी गलियों की वजह से भारी मशीनें वहां नहीं पहुंच पा रही थीं। अब मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर इंदु रानी जाखड़ ने बताया कि मलबे में अब भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। अब तक 17 लोगों को निकाला गया है, जिनमें 15 की मौत हो चुकी है, एक घायल है और दो को सुरक्षित बचा लिया गया है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम ने कहा कि जिस चॉल पर इमारत का मलबा गिरा, वह खाली थी, जिससे और बड़ा नुकसान होने से बच गया। आसपास की चॉलों को भी खाली कराया गया है और वहां के लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है।

इस हादसे ने कई परिवारों को बेघर कर दिया है। प्रभावित लोगों को चंदनसर समाजमंदिर में ठहराया गया है, जहां उन्हें खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और जरूरी मदद दी जा रही है।

एसीबी ने प्रधान सहायक को 20 हजार रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

गुमलाः जिले के चैनपुर प्रखंड कार्यालय में गुरुवार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की। टीम ने सहायक प्रधान सहायक राजकुमार साहनी को 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक, सेवानिवृत्त जनसेवक धनंजय प्रसाद ने भविष्य निधि से राशि निकासी के कागजात तैयार कराने के एवज में साहनी द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की पुष्टि होते ही एसीबी ने जाल बिछाया और तय योजना के तहत साहनी को पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को गुमला सदर थाना लाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई के बाद प्रखंड कार्यालय के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि राजकुमार साहनी लंबे समय से चैनपुर प्रखंड कार्यालय में पदस्थापित था और काम में देरी करने तथा फाइल आगे बढ़ाने के बदले पैसे की मांग करता था। गुमला अंचल कार्यालय में पदस्थापन के दौरान भी उसके खिलाफ रिश्वत मांगने का वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद तत्कालीन उपायुक्त ने उसे निलंबित कर दिया था।

दिनदहाड़े युवक की चाकू घोंपकर हत्या अपराधी की तलाश में जुटी पुलिस

देवघरः जिले के कुंडा थाना अंतर्गत बाजार समिति के पास दिनदहाड़े अज्ञात अपराधियों ने कौशल नामक 25 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना के बाद परिजन घायल कौशल को सदर अस्पताल ले गए। जहां रास्ते में युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कुंडा थाना और नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। जहां स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर अपराधियों की खोजबीन में जुट गई है।घटना के संबंध में मृतक के पिता ने बताया कि मंगलवार रात कौशल एक पार्टी में तहरी बनाने के लिए घर से निकला था। सुबह वह पार्टी से लौट रहा था कि तभी विकास होटल के पास एक अज्ञात युवक ने कौशल पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे कौशल बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद कौशल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

जम्मू-कश्मीर : एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना की कार्रवाई में 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में गुरुवार सुबह भारतीय सेना ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

सेना की चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली खुफिया सूचना के आधार पर की गई। सेना और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली है। सेना के मुताबिक, तैनात सैनिकों ने सीमावर्ती इलाके में संदिग्ध गतिविधियों को भांपा और घुसपैठियों को ललकारा। इसके बाद आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकी मारे गए। हालांकि, क्षेत्र में तलाशी अभियान अब भी जारी है।

गौरतलब है कि अगस्त की शुरूआत में भी अखल क्षेत्र में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया था। इसके अलावा, 30 जुलाई को भी सेना ने पुंछ इलाके में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो आतंकियों को ढेर कर दिया था। उसी दिन, सेना ने ऑपरेशन शिव शक्ति की शुरूआत की थी, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस और विभिन्न खुफिया एजेंसियों से प्राप्त विश्वसनीय सूचनाओं पर आधारित था। इस ऑपरेशन का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में छिपे आतंकवादियों की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। भारतीय सेना की इन सतर्क कार्रवाइयों से एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और हर घुसपैठ की कोशिश को करारा जवाब दिया जाएगा।

हफीजुल हसन की तबीयत की बिगड़ी मुख्यमंत्री देखने पहुंचे पारस अस्पताल

रांचीः हफीजुल हसन की तबीयत की बिगड़ी, मंत्री को लेकर पारस अस्पताल लेकर पहुंचे चार मंत्री । विधानसभा की कार्यवाही चल रही है और इस दौरान घर पर झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन की तबीयत बिगड़ गई है । उन्हें आनन-फानन में पारस अस्पताल लेकर जाया गया । तबीयत। खराब होने की खबर मिलते ही चार मंत्री पहुंचे विधानसभा से आनन-फानन में निकले । इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी हफीजुल हसन को देखने के लिए पारस अस्पताल पहुंचे हैं । गौरतबल है कि जून महीने में दिल्ली में हफीजुल हसन के हार्ट का ऑपरेशन हुआ था । इसके बाद से डॉक्टर्स ने उन्हें आराम की सलाह दी थी ।

रिम्स-2 का नाम होगा शिबू सोरेन इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल, आज विधानसभा में होगी चर्चा

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के नगड़ी मौजा में प्रस्तावित अत्याधुनिक रिम्स-2 ट्रॉमा सेंटर का नाम शिबू सोरेन इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज रखा जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा मानसून सत्र के अंतिम दिन 28 अगस्त को इस प्रस्ताव पर सदन में चर्चा होगी और मंजूरी दी जाएगी।

डॉ. अंसारी ने दावा किया कि यह संस्थान एशिया का सबसे बड़ा और आधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनेगा। उन्होंने कहा कि इसे केवल एक मेडिकल संस्थान के रूप में नहीं, बल्कि झारखंड की अस्मिता और पहचान से जुड़ी ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जाएगा। शिबू सोरेन ने आदिवासी, दलित, गरीब और किसान वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी है। उनके योगदान को अमर बनाने के लिए इस संस्थान को उनके नाम पर समर्पित किया जा रहा है।

अत्याधुनिक सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवाएंः एसएसआईएमएस को स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांति लाने वाला प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। यहां सुपर स्पेशियलिटी वार्ड, रिसर्च सेंटर और मेडिकल एजुकेशन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। गरीब और जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क या रियायती इलाज की व्यवस्था होगी। साथ ही हजारों युवाओं को मेडिकल क्षेत्र में रोजगार और प्रशिक्षण भी मिलेगा।

सरकार की प्राथमिकताः स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि झारखंड के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। यह परियोजना राज्य में स्वास्थ्य क्रांति की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी।

जमीन और विवादः नगड़ी क्षेत्र में लगभग 200 एकड़ जमीन पर इस संस्थान के निर्माण की योजना है। जमीन अधिग्रहण और घेराबंदी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। हालांकि स्थानीय स्तर पर कुछ विवाद भी सामने आए हैं, लेकिन सरकार का कहना है कि यह परियोजना झारखंड और पूरे पूर्वी भारत के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगी।

नौकरी के नाम पर ठगी

179 लोगों से लिये लाखों रुपए चार गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार

संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड में ठगी के मामले में एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। इसके तहत झारखंड पुलिस ने पूर्वी सिंहभूम जिले में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। विभिन्न राज्यों के 179 बेरोजगारों को ठगने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि महिलाओं समेत अन्य को छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से घाटशिला उप-मंडल में लाया गया था।

रोजगार का किया गया था वादाः रोजगार का वादा कर उन्हें किराए के कमरों में ठहराया गया था। हर पीड़ित से 25,000 रुपये लिए गए। पूर्वी सिंहभूम के एसपी (ग्रामीण) ऋषभ गर्ग ने बताया कि घाटशिला थाना क्षेत्र के लालडीह दहिगोड़ा स्थित फर्जी फर्म मेसर्स रिया एंटरप्राइजेज को सील किया गया है। पीड़ितों को घर भेजने की व्यवस्था की जा रही। गर्ग ने बताया कि मास्टरमाइंड बिहार के गया जिले के फतेपुर गांव निवासी राजू यादव, सुनील यादव (समस्तीपुर, बिहार), राहुल रंजन, अनिल, रवि चौहान और सिंडिकेट के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया गया है। आरोपी पीड़ितों को पीटते थे। उन्हें घर नहीं जाने देते थे।

तीन कर्मियों को किया गया गिरफ्तारः घाटशिला थाने के वंश नारायण सिंह और मऊभंडार चौकी प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में टीम ने मंगलवार को घाटशिला में फर्जी कंपनी में छापा मारकर 3 कर्मियों को गिरफ्तार किया। एसपी ने कहा, पीड़ितों की पिटाई करने वाले एक और व्यक्ति को पकड़ा है। गिरफ्तार लोगों की पहचान रोमेंट कुमार, मोहन कुमार राणा (डोमचांच, कोडरमा जिला), शिवम कुमार सिंह, बिहार के वैशाली जिले और कुलदीप सिंह के रूप में हुई है।

हंटरगंज थाना पुलिस को नशे के सौदागरों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता

स्विफ्ट कार से 9 किग्रा अवैध डोडा बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

चतरा : जिले में नशे के सौदागरों पर हंटरगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिसिया कार्रवाई में एक स्विफ्ट कार में 9 किलोग्राम अवैध डोडा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से नशे सौदागरों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने इस आशय की जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मंगलवार की रात्रि में चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी की एक सफेद रंग का स्विफ्ट डिजायर कार, कुछ अवैध समान लेकर हंटरगंज की ओर जा रहा है। सूचना के आलोक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन के निर्देश पर एक छापेमारी टीम गठित की गई। छापेमारी टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रतापुर मोड़ के आगे औरू गेरुआ सड़क से एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद किया गया। कार से आरोपी तस्कर को गिरफ्तार किया गया। कार की डिक्की से एक बोरा में लगभग 9 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया।

पकड़े गए युवक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के शेरपुर निवासी नंदकिशोर साव के पुत्र उपेंद्र कुमार के रूप में हुई है। कार से एक बोरे में 9 किलोग्राम डोडा मिला है।वही एक स्मार्ट फोन और एक स्विफ्ट डिजायर कार जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या जेएच 01एफपी 0240 है। उपेंद्र से पुछताक्ष के बाद पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश और नेटवर्क के अन्य कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत गिरफ्तार किया गया है।पुलिस कार्रवाई में हंटरगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी निखिल गौरव कमान कच्छप , सब इंस्पेक्टर नितेश कुमार प्रसाद, बिरेंद्र तिवारी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

थाना दिवस में कई मामले का हुआ निष्पादन

चतरा : बुधवार को गिद्धौर थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन हुआ। थाना दिवस में भूमि विवाद के साथ साथ अन्य कई मामले को लेकर आवेदन आया। भूमि विवाद से संबंधित दो आवेदन आया। जिसमें बारिसाखि पंचायत के रुपिन डढ़ूआ से भेखलाल यादव बनाम बाबूलाल रविदास एवं दूसरा आवेदन दुवारी पंचायत के इंदरा गांव से गणेश यादव बनाम संतोष यादव का आवेदन आया। थाना दिवस में दोनों भूमि विवाद का समझौता किया गया। पीएलवी जितेंद्र दास के द्वारा उनका बॉन्ड लिख कर मामले का निष्पादन किया गया ' रूपिन से आए आवेदन को सिमरिया अनुमंडल कार्यालय जाने को कहा गया' जबकि अन्य कई छोटे छोटे आवेदन कताओं को मामले का समझौता ग्राम पंचायत स्तर पर निपटारा करने की सलाह दी गई।थाना दिवस में अंचलाधिकारी अनंत साइनम विश्वकर्मा,थाना प्रभारी सिवा यादव,थाना पी एल वि जितेंद्र दास राजद प्रखंड अध्यक्ष कमलेश कुमार रजक सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

धूमधाम से विराजे बप्पा, चार दिनों तक चलेगा महोत्सव

संवाददाता

चतरा : जिले में बुधवार से गणपति महोत्सव शुरू हो गया है। इस बार किले में कई स्थानों पर भी धूमधाम से गणपति महोत्सव की शुरूआत हुई है। पूजन, आरती व वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान गणेश पूजन स्थल पर विराजमान हुए। शहर के जतराहीबाग में गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयकारे के साथ बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया। इसके बाद बप्पा की आरती उतारी गई। भगवान गणपति को प्रिय मोदक व लड्डू का भोग लगाया गया। पूजन आरती के बाद भगवान गणपति को लगाया गया। भोग प्रसाद के रूप में आम लोगों में वितरित किया गया। भगवान गणपति के पूजा अर्चना को लेकर जतराहीबाग के इलाके में माहौल भक्तिमय बना हुआ है। लोग भगवान गणपति के सामने दंडवत कर उनसे सुख समृद्धि व सौभाग्य की कामना कर रहे हैं। गणेश पूजा समिति जतराहीबाग के कार्यकर्ता विजय प्रसाद केसरी, प्रदीप चौरसिया, शशि भूषण चौरसिया, सुमित कुमार, राकेश कुमार, आकाश कुमार, विनय कुमार, संगम कुमार आदि पूजा महोत्सव को सफल बनाने में लगे हुए हैं। सदस्यों ने बताया कि गणेश पूजा समिति जतराहीबाग वर्ष 2019 से लगातार गणेश महोत्सव का आयोजन कर रही है। चार दिवसीय गणेश महोत्सव का समापन 30 अगस्त को हवन पूजन के साथ किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर से देश की भावनाएं जुड़ी थी : संजय सेठ

रांची : सांसद कला महोत्सव जो लगातार कई दिनों से चल रहा है। इसी क्रम में बुधवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ कांके स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कोलकाता पब्लिक स्कूल ओरमांझी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और बच्चों का उत्साह वर्धन किया ' इस अवसर पर श्री सेठ ने कहा ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ सेना का ऑपरेशन नहीं था, इससे पूरे देश की भावनाएं जुड़ी थी। सांसद कला महोत्सव के तहत रांची में चल रहे पेंटिंग कॉनिर्वाल 2025 में बच्चों ने ऑपरेशन सिंदूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सैन्य प्रेम को लेकर कैनवास पर जो आकृतियां उकेरी हैं, वह राष्ट्र के प्रति इनकी भावनाएं हैं। प्रतिभागी बच्चों को उनके चित्रांकन के लिए उत्साहवर्द्धन किया।

नगर परिषद क्षेत्र में आज से आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर शिविर का शुभारंभ

विभिन्न वार्डों में शुरू हुआ आयोजन

आधार-राशन कार्ड सुधार और नए आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

संवाददाता

चतरा : आम जनता को आयुष्मान भारत योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से नगर परिषद क्षेत्र, चतरा में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आधार एवं राशन कार्ड से नाम जोड़ने, सुधार कराने और नए आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर का शुभारंभ आज से किया गया।

आज नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 01 नगर परिषद कार्यालय एवं वार्ड संख्या 02 के पोस्ट ऑफिस के पास स्थित सामुदायिक भवन में तथा वार्ड संख्या 03 और 04 में डोमसीटवा वार्ड विकास केंद्र पर कैंप लगाया गया। इसी क्रम में 29 अगस्त को वार्ड संख्या 05 में बॉयज स्कूल और वार्ड संख्या 06 एवं 07 में छठ तालाब स्थित अटल क्लीनिक में शिविर आयोजित होगा। 30 अगस्त को वार्ड संख्या 08, 09 और 10 के लिए कर्मचारी भवन तथा वार्ड संख्या 12 और 13 के लिए नगर भवन में कैंप लगाया जाएगा।01 सितम्बर को वार्ड संख्या 14 और 15 का शिविर वादी-ए-इत्फा भवन में तथा वार्ड संख्या 16 और 11 का शिविर दीवानखाना स्कूल में आयोजित होगा। 02 सितम्बर को वार्ड संख्या 17 और 18 के लिए साहू धर्मशाला और वार्ड संख्या 19 और 20 के लिए जम जम होटल में कैंप लगेगा। इसके बाद 06 सितम्बर को वार्ड संख्या 21 और 22 में किशुनपुर उत्क्रमित विद्यालय परिसर में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में टीम के सदस्य के रूप में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, कंप्यूटर ऑपरेटर, सहिया, साथी, आयुष्मान मित्र, ब्लॉक आशा फसिलिटेटर समेत नगर परिषद का दल मौजूद रहेगा। शिविर स्थल पर ही लाभुकों का डेटा संकलन, कार्ड निर्माण और वितरण सुनिश्चित कराया जाएगा ताकि किसी को कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। साथ ही राशन कार्ड सुधार से जुड़ी समस्याओं का भी तत्काल निराकरण किया जाएगा। उक्त अभियान के सफल संचालन हेतु उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कीर्तिश्री ने आदेश जारी करते हुए अधिकारियों को शिविर इंचार्ज बनाकर दायित्व सौंपा है। उपायुक्त ने कहा कि अक्सर जनता दरबार और अन्य माध्यमों से यह शिकायतें मिलती रही हैं कि आयुष्मान कार्ड के अभाव में जरूरतमंद योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। वहीं राशन कार्ड में नाम नहीं जुड़ पाने या त्रुटि रहने के कारण भी लाभुकों को कार्ड बनवाने में परेशानी उठानी पड़ती है। आयुष्मान भारत योजना को राज्य सरकार की प्राथमिकता प्राप्त योजनाओं में शामिल बताते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्य का सफल क्रियान्वयन अति आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि लोगों की समस्याओं का निवारण स्थल पर ही हो सके। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील किया है कि वे निर्धारित तिथि को अपने-अपने वार्ड में आयोजित शिविर में अनिवार्य रूप से पहुंचें और आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठाएं। प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र परिवार इस योजना से वंचित न रह सके।

न्यूज IN ब्रीफ

इटखोरी स्वास्थ्य केंद्र में गड़बड़ी के मामले का उजागर

चिकित्सक पर आरोप , पत्रकारों के विरुद्ध आवेदन दिए जाने से मचा बवाल

चतराः इटखोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त अनियमितताओं का मामला अब और गंभीर हो गया है। अस्पताल की गड़बड़ियों को उजागर करने वाले दो वरिष्ठ पत्रकारों के विरुद्ध स्थानीय थाना में आवेदन दिए जाने पर नाराज द प्रेस क्लब के पत्रकारों ने मोर्चा खोल दिया है। द प्रेस क्लब के अध्यक्ष बिपिन कुमार सिंह ने कहा कि दोनों वरिष्ठ पत्रकारों के पक्ष में पूरा पत्रकार समाज एकजुट है। कहा कि आरोपी महिला चिकित्सक पर कार्रवाई को लेकर सिविल सर्जन से बात की गई है। वहीं आमलोगों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने इसे पत्रकारों की आवाज दबाने की साजिश करार दिया है।जानकारी के मुताबिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत डॉ. अर्चना मधुर पर मरीजों से अभद्र व्यवहार करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। कई मरीजों और उनके परिजनों ने डॉक्टर के खिलाफ लिखित शिकायतें आवेदन के माध्यम से दी है। उनका आरोप है कि अस्पताल में इलाज की बजाय मरीजों को अपमानित किया जा रहा है। अस्पताल में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि अस्पताल में अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हैं, तो उन्हें उजागर करना पत्रकारों का कर्तव्य है। मरीजों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भी पत्रकारों विरुद्ध दिए गए आवेदन पर निष्पक्ष जांच और डॉ. अर्चना मधुर पर लगे आरोपों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही दोषी पाए जाने पर महिला चिकित्सक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की अपील की गई है।

हेलमेट पहन बाइक चलानेवालों का छात्रों ने फूल देकर किया स्वागत

चतरा : भद्रकाली महाविद्यालय इटखोरी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 2 द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन उपस्थित स्वयंसेवक छात्र छात्राओं द्वारा योग, सड़क सुरक्षा और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ दुलार ठाकुर ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ झंडोतोलन और एनएसएस के कुलगीत से हुआ। इसके बाद उपस्थित अतिथियों को छात्र छात्राओं द्वारा पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। योगगुरु शंकर चंद्रवंशी द्वारा छात्र छात्राओं को वज्रासन, हलासन, सूर्य नमस्कार, अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी, भ्रस्तिका जैसे योगासन और प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। इसके बाद महाविद्यालय के मुख्य द्वार के सामने दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगा कर ही चलने की सलाह दी। साथ ही यातायात के नियमों को पालन कड़ाई से करने की सलाह दी गई। दो पहिया वाहन पर तीन सवारी बैठा कर नहीं चलने की नसीहत दी। हेलमेट लगा कर बाइक चलनेवाले चालकों को छात्र छात्राओं द्वारा फूल देकर स्वागत किया गया। मौके पर पुलिस बल के साथ इटखोरी थाना के पदाधिकारी कार्तिक कुमार तिवारी ने कार्यक्रम में उपस्थित रह कर सहयोग किया। मुख्य अतिथि देव कुमार सिंह ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। क्योंकि 21वीं सदी नारी सदी है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर दुलार ठाकुर ने उपस्थित छात्र छात्राओं को योग और सड़क सुरक्षा के महत्व को बताते हुए उन पर अमल करने को कहा। कार्यक्रम को भास्कर प्रसाद सिंह ने भी संबोधित किया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें गीत संगीत, चुटकुला, मिमिकिरी, और अंत्याक्षरी की प्रस्तुति छात्र छात्राओं द्वारा दी गई। धन्यवाद ज्ञापन प्रो ललित मोहन चौधरी ने की।

राजद की प्रखंडस्तरीय कमेटी विस्तार को लेकर विमर्श

चतरा : राजद कार्यालय में बुधवार को राजद के प्रखण्ड अध्यक्ष अशोक कुमार यादव की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय कमेटी के विस्तार हेतु विचार विमर्श के लिए कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अशोक यादव ने, जबकि संचालन संतोष यादव ने किया।बैठक का मुख्य उद्देश्य बूथ से लेकर प्रखंड स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। प्रखंड अध्यक्ष अशोक यादव ने बताया कि पार्टी के निदेर्शानुसार संगठन विस्तार को लेकर प्रखंड कमेटी से लेकर बूथ कमेटी के गठन का काम किया जा रहा है। इस क्रम में राजद के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन विस्तार एवं पार्टी की मजबूती को लेकर विचार-विमर्श किया गया है। श्री यादव ने आगे कहा कि राजद समाजवादी विचारधारा की पार्टी है । लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव ने हमेशा से दलित शोषित व वंचितों को सम्मान के साथ अधिकार दिलाया है। उन्होंने सभी राजद कार्यकर्ताओं को आगामी 31 अगस्त दिन रविवार को प्रखंड स्तरीय कमेटी के विस्तार में भाग लेने की अपील की। मौके पर सुरेश पासवान, रनु दास, छोटू यादव, निर्मल यादव, शिवनंदन प्रजापति, प्रमोद भोक्ता, विजय यादव, संजय यादव, वकील खान, विनय यादव, मो फयाज, केदार चौधरी, सुखी भारती, राजदेव यादव, राजेंद्र यादव, मदन दास, सुनील यादव, सतेश्वर यादव,उपेंद्र यादव, उदय यादव,प्रभु यादव, हलीम खान के अलावा सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर में धूमधाम से मनायी गयी गणेश चतुर्थी

चतरा : जिला मुख्यालय क्षेत्र रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर चतरा में बुधवार को गणपति उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य शंभू नाथ मिश्र एवं सतीश चंद्र अचल ने वैदिक मंत्रों के माध्यम से पूजन करवाया एवं गणेश जी की प्राचीन गाथाओं को कथा के माध्यम से भैया बहनों को अवगत कराया ।उन्होंने कहा कि गणेश जी तेज बुद्धि के देवता है। इनकी पूजा से ही हिंदू धर्म के सभी पर्व त्यौहार प्रारंभ होती है। गणेश जी विद्यार्थियों के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बुद्धि के देवता के साथ-साथ तेज लिखने की भी विद्या इनके पास है। इस अवसर पर श्रीकृष्ण, राधा सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें भैया बहन श्रीकृष्ण और राधा के प्रतिरूप बनकर विद्यालय आए।इस अवसर पर राधा कृष्ण और बलराम बनकर आए भैया बहनों ने एक नाटक प्रस्तुत किया।

वोट बैंक की राजनीति के लिए एसआईआर का विरोध कर रहे हैं कांग्रेस,जेएमएम,आरजेडीः बाबूलाल

संवाददाता

रांचीः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड सरकार ने जिस प्रकार से एसआईआर का विरोध किया है तो यह वोट बैंक की राजनीति है। मरांडी ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि झारखंड प्रदेश में जिस प्रकार से जो डेमोग्राफी बदली है या बदल रही है, बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को वोट बैंक बनाए रखना इनका मकसद है। इसका एक उदाहरण राज्य सरकार ने कल स्पष्ट रूप से बता दिया है कि वह इन्हें केवल झारखंड में बसाना ही नहीं चाहती है बल्कि साथ में उन्हें मतदाता भी बनाना चाहती है ताकि झारखंड की चुनाव कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल अपने पक्ष में करा सके।

मरांडी ने कहा कि आप सभी ने कल झारखंड की विधानसभा की कार्यवाही को देखा और आज सवेरे अखबारों में प्रमुखता से छपी इन मुद्दों से जुड़े समाचार को भी देखा होगा। मरांडी ने कहा कि झारखंड की अलार्मिंग सिचुएशन है। इससे तो पूरा राज्य, देश प्रभावित होगा ही, लेकिन इससे सीधा और तत्काल कोई प्रभावित होगा तो वह आदिवासी समाज होगा। संथाल परगना और झारखंड में दर्जनों आदिवासी महिला है जिससे इन रोहिंग्या, बांग्लादेशी मुसलमानों ने न केवल शादी किया बल्कि मुखिया, जिला परिषद भी बने हैं। यही स्थिति रही तो आने वाले समय में इसी तरह से आदिवासी महिलाओं से शादी

करके रोहिंग्या, बांग्लादेशी मुसलमान सांसद, विधायक भी बनेंगे। यह दृश्य साफ दिख रहा है। 1951 में जब पहला जनगणना हुआ था तब झारखंड में आदिवासियों की संख्या 35.38 प्रतिशत थी जबकि मुस्लिम की आबादी 8.9 प्रतिशत थी। 2011 के जनगणना में आदिवासियों की संख्या 35.38 प्रतिशत से घटकर 26.20 प्रतिशत हो गई। वहीं मुसलमानों की जनसंख्या 8.9 प्रतिशत से बढ़कर 14.53 प्रतिशत हो गई। आदिवासियों की जनसंख्या में गिरावट आई जबकि मुसलमानों की आबादी में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। यही जब ओवरऑल बात किया जाए तो 1951 में सनातनियों की आबादी 87.79 प्रतिशत थी। 2011 में सनातनियों की संख्या घटकर 81.17 प्रतिशत हो गई। मरांडी ने कहा कि यह नेचुरल तरीके से नहीं बढ़ सकती है। यह कृत्रिम तरीके से बढ़ी और बढ़ाई गई है। बांग्लादेश से लगातार घुसपैठ होना इसका प्रमुख कारण है। कांग्रेस, झामुमो, राजद जैसे दल इसके पक्षधर हैं। ऐसे घुसपैठियों का वोटर कार्ड, राशन कार्ड बनाना, जन्म प्रमाण पत्र बनाना, उनकी जमीन उपलब्ध कराना, उनको बसाना उनकी मंशा है। ताकि वोट में इसका फायदा उठाया जा सके। कल के विधानसभा में उनकी मंशा साफ दिखी।

अभी मतदाता सूची ज्वलंत मुद्दा है इस संबंध में एक और उदाहरण देते हुए श्री मरांडी ने कहा कि 2014 से 2019 के बीच देश के अंदर में मतदाताओं में 9.13त्न की वृद्धि दर्ज हुई। जबकि झारखंड में 6.12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं 2019 से 2024 के बीच देश में मत प्रतिशत में 10.1 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि झारखंड में यह वृद्धि 16.17 प्रतिशत दर्ज की गई। यह गौर करने वाली बात है। 2019 से 2024 के बीच यहां किसकी सरकार रही या बताने की जरूरत नहीं है। 2019 से 2024 के बीच राष्ट्रीय ग्रोथ से भी झारखंड में मत प्रतिशत की वृद्धि अधिक दर्ज होना, आईने की तरह सब कुछ साफ कर रहा है। यह काफी चिंता का विषय है कि इस रफ्तार से आखिर यहां पर आबादी कैसे बढ़ी, यह भी एक गहन जांच का विषय है। चूंकि 2014 से 2019 में झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार थी इसलिए यहां पर अवैध घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं थी इसलिए अधिक वृद्धि दर्ज नहीं हुई। आज वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ऐसे लोगों को इन दलों के द्वारा वोटर बनाकर बसाया जा रहा है, इसलिए इन लोगों के पेट में दर्द हो रहा है और ये दल हंगामा कर रहे हैं। मरांडी ने कुछ रिजर्व विधानसभा क्षेत्रों का आंकड़ा भी इस संदर्भ में पेश किया जो काफी चौंकाने वाले हैं। मरांडी ने कहा कि सिमडेगा विधानसभा में 2019 में 2.21 लाख मतदाता थे जो 2024 में बढ़कर 2.44 लाख हो गए। इसमें ओवरऑल 10.12त्न की वृद्धि दर्ज हुई। यहां पर 2019 में 9308 मुस्लिम मतदाता थे जो 2024 में बढ़कर 16605 हो गए। यहां मुस्लिम मतदाताओं में 78.4त्न की वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि नन मुस्लिम में 7.12त्न की ही वृद्धि दर्ज हुई है। यह चिंता का विषय है नहीं।

नई पॉलिसियों ने बढ़ाया बीमा उद्योग का प्रीमियम

रांचीः भारतीय जीवन बीमा कंपनियों का न्यू बिजनेस प्रीमियम 22% बढ़कर 38,958 करोड़ रुपये रहा। सालाना आधार पर कलेक्शन में करीब 9% की वृद्धि दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल विस्तार और नए एजेंट जुड़ने से बीमा उद्योग की यह रफ्तार आगे भी जारी रह सकती है।

जगुआर जवान को सांप ने काटा, गंभीर

रांचीः झारखण्ड जगुआर के जवान मिथिलेश राम को रात 12:00 बजे एक करैत सांप ने काट लिया उसके बाद उनको यथाशिघ्र रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है । उनको लगतार एंटी वेनम दिया जा रहा है परन्तु चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति नाजुक है।

संजय सेठ से मिला कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट का शिष्य मंडल

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में सपरिवार आने का दिया निमंत्रण

रांचीः झारखंड में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट का एक शिष्टमंडल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल के अगुवाई में रांची के सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से यहां उनके आवास में मुलाकात की।

शिष्टमंडल ने उनका अभिनंदन करते हुए श्री राधा कृष्ण की स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें जन्म दिवस की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उनके दीघार्यु की कामना करते हुए पुंदाग स्थित झारखंड के सबसे बड़े श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में सपरिवार आने का आमंत्रण दिया। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सरर्फ ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की ओर से सांसद संजय सेठ को एक ज्ञापन दिया गया जिसमें उनसे पुंदाग

गुटवा रोड में स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर एवं सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के सामने सड़क एवं नाली के निर्माण के लिए आग्रह किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि इस रोड में झारखंड का सबसे बड़ा श्री राधा कृष्ण मंदिर का निर्माण हुआ है जो धार्मिक आस्था एवं सांस्कृतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग एवं निराश्रित जनों के पुर्नवास सेवा एवं देखभाल के लिए अपना घर आश्रम का कुशलता पूर्वक संचालन किया जा रहा है।

इस सेवा संस्थान तक पहुंचाने के लिए ना कोई पक्की सड़क है और न ही समुचित जल निकासी, नाली की व्यवस्था है। मंदिर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं जिन्हें बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए संबंधित विभागों को निर्देशित कर श्री राधा कृष्ण मंदिर के सामने शीघ्र ही पक्की सड़क एवं नाली निर्माण की स्वीकृति एवं कार्यवाही सुनिश्चित कराने की कृपा करें। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव मनोज कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, प्रवक्ता संजय सराफ, पूरणमल सर्राफ, मुकेश काबरा व अन्य शामिल थे।

हाथी के हमले में मां - बेटे की मौत, वन विभाग ने 50 हजार की दी सहायता राशि

खूंटीः कर्रा प्रखंड क्षेत्र के जरियगढ़ इलाके में झुंड से बिछड़े हाथी ने जमकर उत्पात मचाया है। हाथी के हमले में एक महिला और उसके एक चार साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। मामला बकसपुर रेलवे स्टेशन के समीप का है। जहां देर रात के हाथी ने उत्पात मचाते हुए कच्चे मकान को तोड़ दिया। दीवार के मलबे में दबने से डोड़या बारला की पत्नी एतवारी बारला और उसके चार साल के मासूम तुलसी बारला की मौके पर ही मौत हो गई।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार झुंड से बिछड़ा हाथी अभी क्षेत्र में भ्रमणशील है और इसकी जनाकारी गांव वालों को भी है। हाथी देर रात घर में रखे धान और मडुआ (रागी) की तलाश में पहुंचा था। जिस जगह मडुआ और धान रखा गया था, हाथी ने उसी जगह की दीवार को तोड़ दिया। घर में सभी लोग सोए हुए थे जिसके कारण दीवार गिरी और उसकी चपेट में महिला और उसका बच्चा आ गया और दोनों की मौत हो गई।

हंगामा सुनकर गांव वाले एकत्रित हुए और हाथी को वहां से भगाया गया। सुबह इसकी सूचना वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को ग्रामीणों ने दी। सूचना पर वन विभाग के अधिकारियों और झामुमो के पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे पूरी घटना का जायजा लिया। वन विभाग ने तत्काल परिजनों को 50 हजार की सहायता राशि दी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कागजी प्रक्रिया के बाद मुआवजे की राशि दी जाएगी।

वन विभाग के वनरक्षी राकेश कुमार और अमर स्वांसी सहित अन्य कर्मियों ने गांव वालों के बीच पटाखा और टॉर्च का वितरण किया, साथ ही अपील की है कि क्षेत्र में हाथी नजर आए तो सूचना वन विभाग को तुरंत दें।

वनरक्षी अमर स्वांसी ने बताया कि गांव वाले अपने घरों में धान और मडुवा को रखते हैं जिसके कारण हाथी उसको खाने के लिए पहुंच जाते हैं। हाथी उसी घर में हमला करता है जिनके घरों में अनाज की बोरियां रहती हैं। ग्रामीणों से वन विभाग ने अपील की है कि जिस जगह अनाज की बोरियां रखते हैं उस जगह पर न सोए, ताकि अगर हाथी आ जाए तो उससे जान को नुकसान न हो। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को हाथी से बचाव के गुर भी सिखाए जिससे गांव में अगर हाथी पहुंचे भी तो उससे बचा जा सके।

पैरों तले जमीन धंसी और अंदर समा गई महिला

धनबादः भू-धंसान और अग्निप्रभावित क्षेत्र में कब कहां गोफ बन जाए और जमीन धंस जाए, यह कोई नहीं जानता है। इन क्षेत्रों में रहने वाले हजारों लोगों की जिंदगी दांव पर लगी हुई है। ताजा मामला केंदुआ कुसुंडा एरिया 6 के गोधर में घटित हुई है। यहां अंजू देवी नामक महिला घर के बाहर कपड़ा डाल रही थी कि अचानक पैर के नीचे की जमीन धंस गई और वह जमीन के अंदर समा गई। घटना के समय घर में महिला के अलावा कोई नहीं था। इसी बीच मनोज यादव दूध देने घर आया। घर में किसी को न देखकर वह बाहर बैठ गया। तभी अचानक उसकी नजर घर के सामने बने गड्ढे पर पड़ी। उसने अंदर देखा तो महिला के कराहने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद मनोज ने लोगों को मौके पर बुलाया और महिला को बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आखिरकार महिला को बाहर निकाल लिया गया।

इधर, घटना की जानकारी मिलने पर विधायक राज सिन्हा, केंदुआडीह थाना की पुलिस, इउउछ की टीम मौके पर पहुंची और महिला के परिजनों से घटना की जानकारी ली। इउउछ की टीम फिलहाल गोफ स्थल की भराई करने की बात कह रही है। इस घटना से पूरा परिवार दहशत में है। लोगों ने दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है।

इस बीच, पीड़िता अंजू देवी ने बताया कि हम अपने घर के पास कपड़े सुखा रहे थे। अचानक मेरे पैरों तले जमीन धंस गई और हम गड्ढे में गिर गए। इसी बीच मनोज घर पर आया हुआ था और उसने मेरी आवाज सुनी ली। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से हमें सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जैन श्रद्धालुओं ने पर्युषण पर्व के अंतिम दिन की क्षमा याचना

बिंदापाथरःबिंदापाथर व सालकुंडा गांव स्थित जैन मंदिर में आयोजित आठ दिवसीय पर्युषण पर्व सम्पन्न हुआ। समापन के दिन को संवत्सरी कहा जाता है। जैन धर्म का यह सबसे महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। पूरे आठ दिनों तक चले पर्युषण पर्व के समापन पर संवत्सरी आती है, जिसे आत्मशुद्धि, आत्ममंथन और क्षमायाचना का दिन माना जाता है। संवत्सरी का मूल संदेश है क्षमा वीरस्य भूषणम् अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। इस दिन जैन समाज के लोग उपवास, तप, ध्यान और स्वाध्याय करते हैं। एक-दूसरे से और सभी प्राणियों से हुई भूल-चूक के लिए हृदय से क्षमा मांगते हैं। मौके पर समाजसेवी राजेंद्र सराक ने कहा कि संवत्सरी केवल धार्मिक महत्व का पर्व नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश भी देता है। क्षमा मांगने और क्षमा करने से ही रिश्ते मजबूत होते हैं और समाज में शांति कायम रहती है। संवत्सरी के अवसर पर जैन धर्मावलंबी मिच्छामि दुक्कड़म कहकर अपने परिवार, मित्रों और समाज से विनम्रतापूर्वक क्षमा याचना करते हैं। इसका अर्थ है यदि मुझसे व्यवहार में, वाणी में या मन से कोई भूल हुई हो तो कृपया उसे क्षमा करें। वहीं मंदिरों और उपाश्रयों में आज विशेष पूजा-अर्चना और प्रवचन का आयोजन हुआ। कई लोगों ने पूरे दिन का उपवास रखा और साधु-साध्वियों से ज्ञान का लाभ लिया। मौके पर असीत माजी, रंजीत माजी, बिजन माजी, बालिका मंडल स्वीटी माजी, शिल्पी माजी, रूबी माजी, इला माजी, बिनापानी माजी, चानया माजी, चंपा माजी, मंजू माझी, नंदलाल माजी, कौशिक माजी, वरुण माजी, तपन माझी, राज माजी आदि ने बताया कि संवत्सरी हमें यह सीख देती है कि जीवन में क्रोध, द्वेष और अहंकार को छोड़कर क्षमा, करुणा और सद्भावना का भाव अपनाना चाहिए। यह पर्व केवल धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है, जो रिश्तों में मधुरता और समाज में एकता का संदेश देता है।

रिम्स-2 का नाम शिबू सोरेन के नाम पर रखना प्रशंसनीयः विजय शंकर

रांचीः आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक द्वारा प्रस्तावित रिम्स-2 का नाम झारखंड के महानायक, आदिवासियों, दलितों, गरीबों और वंचितों की आवाज, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर रखने की मांग को झारखंड सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने का मंच हार्दिक स्वागत करता है। यह निर्णय न केवल झारखंड की अस्मिता और गौरव को मजबूत करता है, बल्कि दिशोम गुरु के ऐतिहासिक योगदान को अमर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री नायक ने आगे कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपने जीवनकाल में जल, जंगल, जमीन और आदिवासी अधिकारों के लिए अथक संघर्ष किया। उनकी प्रेरणा और नेतृत्व ने झारखंड को एक नई पहचान दी। रिम्स-2 को ₹शिबू सोरेन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के रूप में नामित करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

नावाडीह दुर्गा पूजा कमेटी का गठन, दिनेश बने अध्यक्ष

मैक्लुस्कीगंजः नावाडीह गायत्री मंदिर परिसर में ग्रामीणों की बैठक ग्राम प्रधान रॉकी मुंडा की अध्यक्षता में हुई। इसमें शारदीय नवरात्र धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। सर्वसम्मति से एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक जीतन यादव, किशुन मुंडा, पंकज मुंडा, रामसेवक प्रसाद, राजेंद्र साव, रमेशर प्रसाद, बलकु मुंडा, भोला प्रसाद, सुधीर सिन्हा, रामसेवक ठाकुर, अध्यक्ष दिनेश प्रसाद, उपाध्यक्ष रंजीत प्रसाद, पवन ठाकुर, रवि गंझू, जितेंद्र यादव, रॉकी मुंडा, भरत महतो, सचिव बिरजू प्रसाद, सहसचिव लखन यादव, नवीन यादव, अरुण यादव, कलिंदर ठाकुर, मधु यादव, दीपक प्रसाद, कोषाध्यक्ष शिवनन्दन यादव, अनिल प्रसाद, उपकोषाध्यक्ष जमुना लोहार, नरेश यादव, राधेश्याम प्रसाद, विक्की पांडेय, धर्मदेव ठाकुर, मीडिया प्रभारी रोहित कुमार, पंकज ठाकुर, महामंत्री प्रमोद सिंह, सोवर्धन मुंडा, शिवनारायण लोहरा, गणेश मुंडा, रवींद्र यादव, प्रेम गुप्ता, बासुदेव ठाकुर, अजित प्रसाद, श्याम प्रसाद, शंकर गंझू, बिनोद भुइयां, जीतू गंझू, अजय ठाकुर, कैलाश प्रसाद, सुबोध ठाकुर, सहित अशोक गुप्ता, शिवमंगल गंझू, जयमंगल गंझू, सूरज यादव, शुभम ठाकुर, बाबू यादव, कृष गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, मनपुरन यादव, राकेश दुबे, प्रकाश गुप्ता, भीम यादव, महावीर गंझू, सुनील भुइयां, कन्हाई गोस्वामी, विश्वनाथ गंझू, किशुन गंझू, बिष्णु गंझू, मिथुन गंझू अन्य को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया।

विधानसभा में विश्वविद्यालय विधेयक पर भाजपा विधायकों का हंगामा

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा में गुरुवार को मानसून सत्र के चौथे दिन विश्वविद्यालय विधेयक पर भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा नेता आसन के पास पहुंच गये। सत्ता पक्ष के विधायक भी आसन के करीब आ गये। दोनों पक्षों से स्पीकर ने अपील की कि वे अपनी-अपनी सीट पर जायें, लेकिन कोई नहीं माना। अंततः स्पीकर ने 10 मिनट बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

झारखंड विधानसभा में बृहस्पतिवार को भी प्रश्नकाल की कार्यवाही बाधित रही। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने राज्य विश्वविद्यालय विधेयक एवं अन्य मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों के विरोध के बीच सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

कार्यवाही शुरू होते ही प्रदीप यादव ने की मांगः पूर्वाह्न करीब 11 बजे मानसून सत्र के चौथे दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को भारत रत्न देने और विधानसभा परिसर में भीमराव आंबेडकर, सिदो-कान्हू एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमाएं स्थापित करने की मांग की।

नवीन जायसवाल ने शिक्षा के राजनीतिकरण का लगाया आरोप

प्रश्नकाल शुरू होते ही हटिया से भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 पारित करके शिक्षा का राजनीतिकरण कर रही है। जायसवाल ने कहा, यह विधेयक राज्यपाल के अधिकारों को छीनने और छात्रों के चुनाव को रोकने का एक प्रयास है। छात्र सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं। यह छात्रों और शिक्षा का मुद्दा है।

छात्र संगठन बिना वजह झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक का कर रहा है विरोध : डॉ तनुज

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य डॉ तनुज ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा समर्थित छात्र संगठन बिना पढ़े-समझे ऐतिहासिक झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह भाजपा और उसके संगठनों की पुरानी आदत रही है कि किसी भी जनहितकारी और छात्र हितकारी कदम का बिना सार समझे विरोध किया जाए और झूठ फैलाकर छात्रों को गुमराह किया जाए।

विधेयक का प्रावधान : छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव नियमित छात्र करेंगे

डॉ तनुज ने कहा कि विधेयक के सेक्शन 75, पृष्ठ 73, संख्या 2 में साफ-साफ लिखा है कि छात्र संघ के अध्यक्ष और सचिव का चुनाव केवल नियमित (रेगुलर) छात्र ही करेंगे। यह पहले भी होता आया है।

लेकिन इस बार हेमंत सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए दो बड़े प्रावधान जोड़े हैं:

- एक महिला प्रतिनिधि का अनिवार्य रूप से चुनाव होगा।
- एसटी, एससी, पीवीटीजी या ओबीसी वर्ग से एक प्रतिनिधि का होना अनिवार्य होगा।
- सामाजिक न्याय और समावेशिता की दिशा में क्रांतिकारी पहल

यह झारखंड की छात्र राजनीति में समान प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने वाला कदम है। इससे हर वर्ग और समुदाय के छात्रों की आवाज छात्र संघ तक पहुँचेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके छात्र संगठन दरअसल छात्र संघ चुनाव को लेकर चिंतित नहीं हैं। उनका असली दर्द यह है कि अब विश्वविद्यालयों का अधिकार झारखंड की चुनी हुई सरकार और झारखंडी युवाओं के पास जा रहा है।

जब फैसले झारखंड की धरती पर होंगे, और दिल्ली से आदेश नहीं आएगा, तो भाजपा को यह नागवार गुजर रहा है।

छात्रों और युवाओं का भाजपा को करारा जवाबः डॉ तनुज ने कहा कि 2019 और 2024 के विधानसभा चुनाव में झारखंड के छात्रों और युवाओं ने भाजपा को करारा जवाब देकर नकार दिया था। अब भी भाजपा समर्थित संगठन छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन झारखंड का छात्र सच को भली-भांति समझता है।

डॉ तनुज खत्री ने स्पष्ट कहा कि छात्र संघ का चुनाव केवल चुनावी प्रक्रिया के जरिए ही होगा। हेमंत सरकार ने इसे और पारदर्शी, समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है– **ई–निविदा सूचना सं० 2025–26: 100, कार्य का नाम व स्थानः** Construction of offices and store building near DSL shed at BGKT for S&T department; **अनुमानित लागत रूपयेः** 3,75,81,940.06; **बयाने की राशि रूपयेः** 3,37,900.00; निविदा सूचना सं. 100 of 2025-26 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 12.09.2025 को 15.00 बजे तक है। **वेबसाइट का विवरण जहाँ पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती हैः www.ireps.gov.in**

1066-AN/25

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

भारत पर टैरिफ बम

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसद अमेरिकी शुल्क बुधवार को लागू हो गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है और इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है कि 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को किया जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान,रत्नझ्रआभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते-चप्पल, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर सर्वाधिक असर पड़ेगा। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है, जिसे 50 फीसद आयात शुल्क का सामना करना पड़. रहा है। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान से निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी है। सर्राफा बाजार में भी तेजी का रुझान बन गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी तक सहमति नहीं बन पाईहै। अमेरिका भारत के कृषि और ड़ेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है, लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया है। इसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बहाना बना कर यह अतिरिक्त शुल्क थोपा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त शुल्क थोप कर भारत पर कूटनीतिक और व्यापारिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेय़री क्षेत्र में भारत कोई समझौता नहीं करेगा क्योंकि हमारे लिए किसानों के हित सर्वोपरि हैं। भारत, अमेरिका को 79 अरब ड़ॉलर का कुल निर्यात करता है। इसमें से 45 अरब डॉलर के भारतीय उत्पाद अमेरिकी शुल्क के दायर में आ जाएंगे यानी अमेरिका को लगभग 45 फीसद भारतीय निर्यात अमेरिकी टैरिफ के दायर से बाहर होगा, लेकिन 55 फीसद भारतीय निर्यात प्रभावित होना तय है। दवा क्षेत्र को अमेरिका ने अभी नहीं छुआ है, लेकिन धमकी जरूर दे दी है कि भारतीय दवाओं पर भी 150 फीसद शुल्क लगाया जा सकता है। बेशक, अमेरिका से निर्यात मोर्चे पर बड़ी चुनौती दरपेश है, लेकिन भारत के सामने तमाम विकल्प हैं। भारत को अमेरिका से बाहर नये बाजार तलाशने होंगे। जरूरी है कि रूस के साथ वह नई रणनीति के साथ बढ़े भारत पलटवार की भी सोच सकता है। चुनिंदा वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ लगाने की स्थिति में है। अपने प्रभावित क्षेत्रों को घरेलू स्तर पर सब्सिड़ी देकर प्रोत्साहन देकर मजबूत स्थिति में बनाए रख सकता है। बहरहाल, चुनौती बड़ी है, जिसे अवसर में तब्दील करने की क्षमता भारत में है।

कितने अपनों के बीच पार्टियां

हिमाचल विधानसभा सत्र के दौरान एक अन्य सत्र ऊना में भी चला जहां भाजपा सिर्फ विपक्ष में नहीं, अपनों के बीच ही थी। क्या विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस अपनी सरकार के भीतर और सत्तारूढ़ दल की हैसियत से दिखाई दे रही है। यह मुकाबला नहीं सियासी हालात में जिगर को दिल से मिलाने की एक दास्तान हो सकती है। ऊना में यूं तो भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला थी, लेकिन वहां संगठन का श्रम, पार्टी की साधना, राजनीतिक कौशल और नेताओं का उत्साह ठाठें मार रहा था। ऐसे में देखना यह होगा कि क्या हिमाचल में सत्तारूढ़ होने के बाद सरकार में होने का उत्साह कांग्रेस के कार्यकर्ता या नेताओं में बरकरार है। यह इसलिए भी कि भारी कोशिशों के' बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की पतवार बाहर नहीं आ रही, जबकि पार्टी के भीतर कई अवतार और कई श्रृंगार मौजूद हैं। इधर डा. बिंदल की टीम का आगाज बता रहा है कि नए अभियान-नए इम्तिहान के लिए पार्टी किस शिद्दत से अपने जोश का संग्रहण करती है। ऊना की बैठक में सिर्फ उत्साह नहीं था, बल्कि कदमताल करते इरादे, आगे बढ? की निरंतरता और साबित करने की भुजाएं एक साथ शिरकत कर रही थीं। यह दीगर है कि प्रदेश भाजपा की संगठनात्मक रचना में कई किश्तियां सूखे में खड़ी दिखाई दे रही थीं, लेकिन पार्टी ने अपने जहाज पर सबको बैठाने के लिए कार्यशाला के निमंत्रण में नए सफर की नई डगर खोज डाली। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह भाजपा में जीने की विधा और विधान सिखाते हैं, तो पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर 2027 के प्रादेशिक चुनावों का खाका सृजित कर देते हैं, यानी अगस्त 2025 में बैठी भाजपा दो-ढाई साल बाद के चुनावों की कसरत में मांसपेशियां दिखा रही है। यहां कसौटियां बूथ तक और हिम्मत हर वोट तक ऐसा नक्शा खीच रही है जो आने वाले समय में विपक्ष की भूमिका को आंदोलित करेगी। वैसे एक मुकाबला शिमला के विधानसभा परिसर में भी आमादा है।

बेशक सरकार अपनी पैरवी के हर इंतजाम में अव्वल होने की वजह और अंदाज जानती है, फिर भी सियासी रेत छानने के लिए वाकआउट करता विपक्ष जनता की नजरों में खुद को दिखा गया। यह विपक्ष की मासूमियत नहीं, चालाकी है जो आपदा के वीभत्स में भी अपनी तस्वीर दिखा पा रही है। यहां केंद्र के पन्नों पर भले ही हिमाचल को पूरा खत न आया और न ही राहत के पैगाम ढांढस बंधा पाए, लेकिन राज्य भाजपा है कि मानती नहीं। बहरहाल, बतौर पार्टी अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल विपक्षी माहौल का तडका लगाने में फिर माहिर हुए, क्योंकि सामने सत्तारूढ़ दल तो है, लेकिन पार्टी का मुकम्मल दल और नेतृत्व नहीं है। अब देखना यह है कि भाजपा की कार्यशाला के सामने कांग्रेस में कितनी हील हुज्जत होती है। अंततः सत्ता को तो मिशन रिपीट के इजहार में अपना आचरण दर्ज करना ही होगा। सत्ता के संदेश सचिवालय से गांव के चौपाल तक पहुंचाएगा तो आप कार्यकर्ता ही। जिस बूथ की योजना में पूरी भाजपा खड़ी है, उसके क्षेत्ररक्षण की तैयारी में कांग्रेस को एक अदद पूर्णकालिक अध्यक्ष चाहिए। पार्टी को तरोताजा करने के लिए जो ऊर्जा और उत्साह चाहिए, वह कहीं आलाकमान के किंतु-परंतु का बंधक बना हुआ है। जो कांग्रेस पार्टी को सत्ता तक लेकर आई, तब कोई और बात थी। अब एक नया सियासी महाभारत लिखा जाएगा। चुनाव की आहट को अगर भाजपा ढाई साल पूर्व भी महसूस कर सकती है, तो कांग्रेस को सत्ता के कदमों पर चलते हुए अपनी एक नई पारी, नए दमखम से जोड़ना होगी। हिमाचल पिछले दशकों से हर सत्तारूढ़ दल को मिशन रिपीट के मोड पर काम करते हुए देखता है। जाहिर है कांग्रेस के वजूद में यह जज्बा दिखाने के लिए पार्टी और सत्ता को एक साथ मैदान पर आना होगा।

आ बैल, मुझे मार!

हमारा पुरातन साहित्य संस्कृत में था। नई शिक्षा नीति के तहत विज्ञान के विद्यार्थी संस्कृत नहीं पढ़ते थे और एक विषय के रूप में संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान की जानकारी नहीं होती थी। परिणाम यह हुआ कि हमारा पारंपरिक प्राचीन ज्ञान उन विद्यार्थियों तक पहुंचा ही नहीं जो विज्ञान पढ़ते थे। इस प्रकार ज्ञान का यह अकूत भंडार धीरे-धीरे खुद ही मर गया। इसने हमें मानसिक गुलामी दी जो आज तक कायम है। सन 1991 के उदारीकरण के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मार्केटिंग विभागों ने सोची-समझी रणनीति के तहत विज्ञापन और आकर्षक पैकेजिंग के बल पर न केवल हमें अहितकर उत्पाद बेचने शुरू कर दिए, बल्कि हमें उनका आदी बना डाला। संयुक्त परिवारों को झगड़ों का अड्डा, बोझ और रुकावट के रूप में पेश किया गया।

सिद्ध गुरु प्रमोद निर्वाण

यह हमारा दुर्भाग्य ही था कि हम न केवल गुलाम हुए बल्कि गुलामी का यह दंश हमें लगभग आठ सौ सालों तक झेलना पड़ा। सन 1192 में मुहम्मद गौरी के गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक ने गुलाम वंश की नींव डाली जिसके बाद सन 1947 तक हम गुलाम रहे। गुलामी का वह दौर कोई आसान समय नहीं था। औरंगजेब के शासनकाल में ही गुरु तेग बहादुर जी शहीद हुए और औरंगजेब के शासन काल में ही सरहिंद के तत्कालीन नवाब वजीर खान के आदेश पर गुरु गोविंद सिंह जी के दो छोटे बेटों, जोरावर सिंह और फतेह सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। सन 1757 में अंग्रेजी साम्राज्य की स्थापना के साथ ही हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था पर रणनीतिक रूप से आघात शुरू हो गया, जिसने हमारे पुरातन आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे को तहस-नहस कर दिया। अंग्रेजों ने चुन-चुनकर हमारी दस्तकारी की कला की हत्या की, जिससे रोजगार खत्म हुए, गरीबी बढ़ी और हम विवशता के जाल में फंसते चले गए। दूसरी ओर लॉर्ड मैकाले ने जब नई शिक्षा नीति लागू की तो उसका उद्देश्य हमें अपनी संस्कृति से वंचित करना था। यह ऐसी शिक्षा थी जिसने हमारे अंतर्मन और हमारी सोच को ही भ्रष्ट कर डाला। एक विषय के रूप में संस्कृत को विज्ञान से अलग कर देना एक गहरा षड्यंत्र था। हमारा पुरातन साहित्य संस्कृत में था। नई शिक्षा नीति के तहत विज्ञान के विद्यार्थी संस्कृत नहीं पढ़ते थे और एक विषय के रूप में संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान की जानकारी नहीं होती थी। परिणाम यह हुआ कि हमारा पारंपरिक प्राचीन ज्ञान उन विद्यार्थियों तक पहुंचा ही नहीं जो विज्ञान पढ़ते थे। इस प्रकार ज्ञान का यह अकूत भंडार धीरे-धीरे खुद ही मर गया। इसने हमें मानसिक गुलामी दी जो आज तक कायम है। सन 1991 के उदारीकरण के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मार्केटिंग विभागों ने सोची-समझी रणनीति के तहत विज्ञापन और आकर्षक पैकेजिंग के बल पर न केवल हमें अहितकर उत्पाद बेचने शुरू कर दिए, बल्कि हमें उनका आदी बना डाला। संयुक्त परिवारों को झगड़ों का अड्डा, बोझ और रुकावट के रूप में पेश किया गया। स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर चला यह खेल परिवारों के टूटने का कारण बना। पहले जहां दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची एक ही घर में रहते थे और नाना-नानी, बुआ-फूफा, मौसी-मौसा और उन सबके बच्चों में नियमित रूप से मिलना-जुलना, आना-जाना होता था, वहीं बच्चों में स्वतंत्रता की चाह ने वृहद संयुक्त परिवार ही नहीं तोड़े, बल्कि मां-बाप को उनके बच्चों से ही अलग कर डाला। उपभोक्तावाद के इस षड्यंत्र का असर दूरगामी था। जहां वृहद संयुक्त परिवारों में सारे मतभेदों के बावजूद आपसी सौहार्द, एकता और एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होने की परंपरा हुआ करती थी, वहां आधुनिक समाज में बच्चों को स्वतंत्रता तो मिली लेकिन बदले में उनसे कई सुविधाएं छिन गईं। छोटे बच्चे दादा-दादी और नाना-नानी सरीखे बुजुर्गों के ज्ञान और सुरक्षा से तो वंचित हुए ही, उनकी खरीदने की सामर्थ्य भी बुरी तरह से प्रभावित हुई। संयुक्त परिवार में जहां एक ही चूल्हा होता था, वहीं परिवार टूटने पर हर वस्तु अलग से आने लग गई। एक रसोई की जगह कई रसोइयों ने ले ली। पहले एक घर था तो एक ही टीवी था, अब हर घर का अलग टीवी, अलग फ्रिज, अलग सोफा, अलग वाहन आवश्यक हो गया। पहले जहां छोटे बच्चों की देखभाल घर के बड़े बुजुर्ग करते थे, वहीं अब नैनी का चलन हो गया। मियां-बीवी दोनों काम पर जाने लगे तो मेड की आवश्यकता अनिवार्य हो गई। बच्चों को दादा-दादी की सुरक्षा, प्यार और संस्कारों की जगह नैनी का मशीनी व्यवहार झेलने के लिए विवश होना पड़ा। स्वतंत्रता के नाम पर हमने अपना खर्च बेतहाशा बढ़ा लिया। परिवार इक्के थे तो अकेलापन नहीं था, छोटे बच्चे और बुजुर्ग दोनों एक-दूसरे का सहारा थे। परिणाम यह था कि उदासी और अकेलेपन से उत्पन्न होने वाले मनोविकार नहीं थे। परिवार टूटे तो परिवार टूट गए और त्योहारों की खुशियों ने खामोशियों का रूप ले लिया। व्यक्ति सिर्फ ग्राहक बनकर रह गया और एकल परिवारों को स्वतंत्र, आधुनिक और खुद के जीवट से चलने वाले बताकर उनकी शान में कसीदे पढ़े जाने लगे। बाजार फलने-फूलने लगे और बच्चे स्क्रीन में गुम हो गए। मानसिक स्वास्थ्य का संकट गहराया तो हर समस्या के समाधान के रूप में एक नया उत्पाद बाजार में आ गया। हर भावना के लिए एक ऐप आ गया। पहले जो बात नानी-दादी से होती थी, अब काउंसलर से होती है। अकेलापन इलाज मांगता है, संस्कार की जगह इन्फ्लुएंसेरों और सब्सक्रिप्शन ने ले ली है। आधुनिकता की इस दौड़ ने हमें एक छुपी हुई गुलामी का ईनाम दिया है। ऐमेजॉन को फायदा तभी है जब आप त्योहारों में अकेले हों और परिवार के साथ बैठकर गपशप करने के बजाय शॉपिंग करके अपनी हताशा, निराशा और अकेलेपन से निजात पाने की कोशिश करें। जमैटो की कमाई तभी है, जब हम घर का खाना नहीं खाते। जब हम दादी-नानी से कहानी नहीं सुन रहे होते तो ही नेटफ्लिक्स देखते हैं। संयुक्त परिवार एक संपत्ति था, इसके कई लाभ थे, पर इसे अब बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अकेलापन दूर करने के लिए ऐप के बजाय अपनेपन की भावना चाहिए। आज महानगरों में उन परिवारों के लिए भी अपना घर खरीद पाना एक सपना बन कर रह गया है, जहां मियां-बीवी दोनों नौकरी करते हैं और उनका बच्चा भी नहीं है, यानी, कोई फालतू खर्च नहीं है। इसी तरह पति-पत्नी की नौकरी के बावजूद उन परिवारों के लिए एक बच्चे के बाद, दूसरे बच्चे का बोझ सह पाना संभव नहीं रह गया है। इस आधुनिकता का हम क्या करेंगे? हमारे जीवन में स्वस्थ सैर का अभाव हो गया, खानपान बिगड़ गया, दोस्त सिर्फ वर्चुअल वर्ल्ड में रह गए, आभासी दुनिया में रह गए, जबकि असली जीवन में पड़ोसी से भी परिचय नहीं होता। महानगरों की यह निरपेक्षता हमारी बीमारियों का बड़ा कारण है। योग की क्रियाएं और प्राणायाम कभी हमारे जीवन का अंग हुआ करते थे, बिना घास की जमीन पर नंगे पांव चलना कभी हमारी दिनचर्या का हिस्सा होते थे, मौसम के बदलाव के साथ जुड़े त्योहारों में व्रत-उपवास और उनके साथ विशिष्ट खानपान के रिवाज के पीछे गहरा विज्ञान था जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली की मजबूती का कारण था। इन सब के अभाव में आज हर व्यक्ति बीमार है। हर दस में से सात व्यक्ति दवाइयों के सहारे जीवन जी रहे हैं। हमने खुद ही व्याधियों को जन्म दिया है और उन व्याधियों से बचने के लिए नई व्याधियों को बुलावा दे रहे हैं। जीवन भर ब्लड प्रेशर की दवाई खाने वाले व्यक्ति को ब्लड प्रेशर से तो निजात मिलती नहीं, अंततः वह किसी और बड़े रोग का शिकार हो जाता है। ह्यआ बैल, मुझे मारह्न की यह जीवन शैली ही हमारी समस्याओं का कारण है। अगर हम स्वस्थ रहना चाहते हैं, जीवन में खुशी चाहते हैं, बुढ़ापे में बच्चों पर बोझ नहीं बनना चाहते तो हमें अपनी सोच को बदलना होगा, जीवन शैली को बदलना होगा और प्राकृतिक जीवन जीना होगा, वरना हम भुगत तो रहे ही हैं।

आर्थिक ब्रह्मास्त्र है स्वदेशी

जब 1905 ईस्वी में बंग-भंग हुआ, तब स्वदेशी का नारा जोरों से अपनाया गया। उसी वर्ष कांग्रेस ने भी इसके पक्ष में मत प्रकट किया। देशी पूंजीपति उस समय मिलें खोल रहे थे, इसलिए स्वदेशी आंदोलन उनके लिए बड़ा ही लाभदायक सिद्ध हुआ। भारत में स्वदेशी का पहले-पहल नारा बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 1872 ईस्वी में ही विज्ञानसभा का प्रस्ताव रखते हुए दिया था। उन्होंने कहा था, ह्यजो विज्ञान स्वदेशी होने पर हमारा दास होता, वह विदेशी होने के कारण हमारा प्रभु बन बैठा है, हम लोग दिन-ब-दिन साधनहीन होते जा रहे हैं। अगस्त 1905 में कलकत्ता के टाउनहॉल में एक विशाल बैठक आयोजित की गई जिसमें स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा की गई।

डा. वरिंदर भाटिया

देश में अमेरिका के हठी रुख के कारण केंद्र द्वारा स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया गया है। यह आह्वान एक महत्वपूर्ण उद्घोष है, ताकि अमरीका की कुत्सित आर्थिक नीतियों को गांधीगिरी से माकूल जवाब दिया जा सके। स्वदेशी का अर्थ है ह्यअपने देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना और विदेशी वस्तुओं के उपयोग से बचना। इसका उद्देश्य ग्राम या देश के अधिकतम लोगों द्वारा बनाई गई वस्तुओं को खरीदना और इस्तेमाल करना होता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो और विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम हो। साधारण शब्दों में, स्वदेशी का अर्थ है अपने देश की चीजों का समर्थन करना और विदेशी चीजों से बचना। इस विचार को मुख्यतः स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीयों में बढ़ावा दिया गया था ताकि विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। वर्ष 1905 के बंग-भंग विरोधी जनजागरण से स्वदेशी आंदोलन को बहुत बल मिला। यह 1911 तक चला और गांधी जी के भारत में पदार्पण के पूर्व सभी सफल आंदोलनों में से एक था। अरविंदो घोष, रवींद्रनाथ ठाकुर, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और लाला लाजपत राय स्वदेशी आंदोलन के मुख्य उद्घोषक थे। आगे चलकर यही स्वदेशी आंदोलन महात्मा गांधी के स्वतंत्रता आंदोलन का भी केन्द्र-बिन्दु बन गया। राष्ट्रपिता ने इसे स्वराज की आत्मा कहा था। स्वदेशी का विचार कांग्रेस के जन्म से पहले ही दे दिया गया था। जब 1905 ईस्वी में बंग-भंग हुआ, तब स्वदेशी का नारा जोरों से अपनाया गया। उसी वर्ष कांग्रेस ने भी इसके पक्ष में मत प्रकट किया। देशी पूंजीपति उस समय मिलें खोल रहे थे, इसलिए स्वदेशी आंदोलन उनके लिए बड़ा ही लाभदायक सिद्ध हुआ। भारत में स्वदेशी का पहले-पहल नारा बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 1872 ईस्वी में ही विज्ञानसभा का प्रस्ताव रखते हुए दिया था। उन्होंने कहा था, ह्यजो विज्ञान स्वदेशी होने पर हमारा दास होता, वह विदेशी होने के कारण हमारा प्रभु बन बैठा है, हम लोग दिन-ब-दिन साधनहीन होते जा रहे हैं। अगस्त 1905 में कलकत्ता के टाउनहॉल में एक विशाल बैठक आयोजित की गई जिसमें स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा की गई। मैनचेस्टर में निर्मित कपड़ों तथा लिवरपूल के नमक जैसे सामानों के बहिष्कार का संदेश प्रचारित किया गया। इसी कड़ी में बंगाल के लोगों ने वंदे मातरम गीत गाकर व्यापक विरोध प्रदर्शित किया। और रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा आमार शोनार बांग्ला की रचना की गई। हालांकि यह आंदोलन मुख्य रूप से बंगाल तक ही सीमित था, लेकिन भारत के कुछ अलग-अलग हिस्सों में भी इसका प्रसार देखा गया जैसे बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में पूना और बॉम्बे में, लाला लाजपत राय और अजीत सिंह के नेतृत्व में पंजाब में, सैयद हैदर रजा के नेतृत्व में दिल्ली में, मद्रास में चिदंबरम पिल्लई के नेतृत्व में इत्यादि।

स्वदेशी आंदोलन का भारत पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे न केवल ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार को बढ़ावा मिला, बल्कि स्वदेशी उद्योगों और राष्ट्रीय शिक्षा को भी प्रोत्साहन मिला। स्वदेशी आंदोलन ने भारतीय उद्योगों को बढ़ावा दिया, जिससे कपड़ा मिलें, साबुन और माचिस की फैक्टरियां, चमड़े के कारखाने, बैंक, बीमा कंपनियां और दुकानें स्थापित हुईं। क्या यह अब हमारे लिए जरूरी नहीं है। स्वदेशी आंदोलन के परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय शिक्षा परिषद की स्थापना की गई और बंगाल नेशनल कॉलेज और देश भर में कई राष्ट्रीय स्कूल और कॉलेज खोले गए। स्वदेशी आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं, विशेष रूप से कपड़ों, चीनी, नमक और विलासिता की वस्तुओं का बहिष्कार किया, जिससे उनकी बिक्री में कमी आई। क्या इस तरह के आंदोलन की आज जरूरत नहीं है? अमेरिकी बॉस की भारत को आर्थिक तौर पर नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों के संदर्भ में प्रधानमंत्री द्वारा स्वदेशी का आह्वान यदि पूरे देश मे एक आंदोलन का रूप ले ले तो अमरीकी हितों को एक बड़ा झटका लगेगा, स्वदेशी हमारी दीर्घकालीन आर्थिक नीति का आवश्यक हिस्सा होना चाहिए, देश का नीति आयोग इस पर ध्यान दे। हमें स्वदेशी साधनों के उपयोग पर बल देना चाहिए। आज के दौर में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की जरूरत फिर से महसूस होने लगी है। विकसित देश उन्हीं के होते हैं, जिनमें स्वदेशी उत्पादों का उत्पादन होता है। यदि हम दूसरे देशों पर निर्भर रहेंगे, तो वे हमें मजबूरी में ऊंचे दाम पर चीजें बेचेंगे और हमें उन्हें खरीदने की आवश्यकता होगी। स्वदेशी आंदोलन, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, आज आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का आधार बन चुका है। यह आंदोलन न केवल आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देता है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। हर भारतीय को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की जरूरत है, क्योंकि यह देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, रोजगार सृजन करने और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त करता है। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से न केवल विदेशी आयात पर निर्भरता कम होती है, बल्कि स्थानीय कारीगरों, किसानों और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलता है। यह आंदोलन भारत को एक मजबूत और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने का संकल्प है। हर भारतीय को इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहिए, क्योंकि स्वदेशी अपनाना केवल खरीददारी का निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक कदम है। भारतीय समाज का एक वर्ग स्वदेशी वस्तुओं को गर्व और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ता है तो दूसरी तरफ शहरी मध्यवर्ग और उच्चवर्ग के लिए आज भी विदेशी ब्रांड एक ह्यप्रतिष्ठा प्रतीकह्न बने हुए हैं जिससे स्वदेशी उत्पादों को विपणन और ब्रांडिंग के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। इसलिए सरकार सब कुछ करेगी, यह मानना गलत होगा। सभी भारतीयों को स्वदेशी आंदोलन से जुड़ना होगा और स्वदेशी को बल देना होगा। सरकार और उद्यमी को भी गुणवत्ता और नवाचार को स्वीकार करना होगा तथा छोटे उद्यमों को ऋण, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता की व्यवस्था करनी होगी। स्वदेशी उत्पादों की ब्रांड पहचान भी जरूरी रहेगी। भारत के पास अवसर हैं, लेकिन उसके लिए स्वदेशी जरूरी है।

सीमित इच्छा

चिंतन-मनन

डॉ. ज्ञानानंददास स्वामी

भागदौड़ मनुष्य को शांति से कब बैठने देगी? इच्छाएं और प्रतिस्पर्धा उसे धकेलती रहती हैं। परिणामस्वरूप थकान, तनाव और असंतोष उसके स्थायी साथी बन जाते हैं किंतु जब मनुष्य अपने भीतर झांक कर समझ लेता है कि वास्तविक सुख अधिक पाने में नहीं, बल्कि जो मिला है उसमें तृप्त रहने में है, तभी वह सच्ची शांति का अनुभव करता है। गीता ऐसे नित्य तृप्त मुमुक्षु को शांति का पात्र बताती है। तृप्ति का अर्थ है भीतर से पूर्णता का अनुभव करना और संतुष्टि का अर्थ है जो कुछ हमें मिला है, उसमें ही आनंद का अनुभव करना। जब मनुष्य अपनी आवश्यकताओं को संयमित करता है और लोभ व तुलना के रोग से दूर रहता है, तभी नित्य तृप्ति और संतोष का रस चख सकता है। जो व्यक्ति बाहर के साधनों से संतुष्टि ढूंढता है, कभी तृप्त नहीं हो सकता। धन, पद, मान-सम्मान, भोग- विलास सब क्षणिक सुख के साधन हैं। इनके मिलने पर भी मनुष्य और अधिक की इच्छा करता है। जैसे अग्नि में इंधन डालने पर वह और भड़कती है,वैसे ही भौतिक इच्छाएं पूरी होने पर भी नई- नई इच्छाएं उत्पन्न होती हैं। इनकी पूर्ति करने की होड़ उसे एक और बड़ी दौड़ में शामिल करती है। इसके विपरीत, जो भगवान की स्वरूपनिष्ठा से तृप्त है, वह हर परिस्थिति में संतुष्ट रह सकता है। संत तुकाराम, एकनाथङ्क कबीर, स्वामी विवेकानंद, प्रमुख स्वामी महाराज जैसी महान विभूतियों ने अपने जीवन से सिखाया कि सीमित साधनों में भी अनंत आनंद पाया जा सकता है। वे अपनी आवश्यकताओं को छोटा रखते थे, परंतु दूसरों को देने में बड़े उदार रहते थे। यही कारण है कि उनका चेहरा सदैव प्रसन्न और ह्रदय सदा तृप्त रहा। महंत स्वामी महाराज समझाते हैं कि वास्तविक संतोष तब आता है जब मनुष्य अपने जीवन को कृतज्ञता से देखता है। हर क्षण अनुभव करता है, ,मुझे जो मिला है, वह प्रभु का उपहार है।' इस प्रकार नित्य तृप्त और संतुष्ट रहने का मूल मंत्र यही है कि मनुष्य भगवान के आधार पर जीवन जीए, साधनों के आधार पर नहीं। अपनी इच्छाओं को सीमित करे, दूसरों की उपलब्धियों से तुलना न करे। जब मन भीतर से भरपूर होता है, तो बाहर की परिस्थितियां उसे हिला नहीं सकतीं। यही स्थायी शांति, सच्चे सुख का मार्ग है।

आपके पत्र

विज्ञान की भी अपनी सीमाएं हैं

वैसे तो विज्ञान ने हर असंभव को संभव बनाने के लिए बहुत काम किया है और काफी हद तक सफल भी हुआ है। मानव को आज हर सुविधा और आराम उपलब्ध है, परंतु न तो कैंसर जैसे असाध्य रोग की अचूक औषधि खोज पाया और न ही ऐसी दवाई ही खोजी जो मनुष्य को सदैव स्वस्थ और बुढ़ापे के लक्षणों से सदा के लिए निजात दिला सके। यह बात लगेगी सभी को बेतुकी और प्रलाप मात्र, पर यह यक्ष प्रश्न है, जिसके समक्ष आकाश की खोज खबर लेने वाला मानव असहाय दिखता है। यह वैज्ञानिकों को एक खुली चुनौती है। भले ही हरिद्वार के इम्युनोट के वैज्ञानिकों ने प्राचीन भारतीय आयुर्वेद को इस कार्य करने में सक्षम कहा है। लेकिन संसार को कब यह दवाई उपलब्ध होगी, इसका इंतजार है।

मनमीत,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

दुमका के खिलाड़ी व कोच राजधानी रांची के लिए हुए रवाना

दुमका : पर्यटन संस्कृति खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग झारखण्ड सरकार द्वारा 29/8/2025 से 31/8/2025 तक विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया है । जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार द्वारा आज सुबह समय 8:40 बजे दुमका के एकलव्य एक्सलैंसी तिरंदाजी सेंटर, आवासीय बालक तिरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र, आवासीय बालिका फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र एवं खेलो इंडिया फुटबॉल सेंटर के 37 खिलाड़ी एवं 3 प्रशिक्षक समेत 40 सदस्यों को दुमका से राजधानी राँची के लिए भेजा गया.

पहाड़िया जनजातीय समुदाय के साथ स्वास्थ्य विभाग ने की बैठक

साहिबगंज : सिविल सर्जन सभागार, साहिबगंज में पहाड़िया जनजातीय समुदाय के सम्मानित व्यक्तियों प्रमुख प्रधान गणमान्य नागरिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ० रामदेव पासवान ने की।बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की। इनमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, पोषण पुनर्वास, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम वेक्टर जनित रोग नियंत्रण गैर-संचारी रोग कार्यक्रम जैसी योजनाएँ प्रमुख रहीं।उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के लिए जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना और ममता वाहन योजना जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ उपलब्ध हैं। साथ ही गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना एवं आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से निःशुल्क उपचार का लाभ मिल रहा है।बैठक में उपस्थित लोगों को संतुलित आहार, नशामुक्त जीवनशैली और नियमित स्वास्थ्य जाँच के महत्व से भी अवगत कराया गया। सिविल सर्जन ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पहाड़िया जनजातीय समुदाय का कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे।
बैठक में उपस्थित समुदाय के प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना की और विश्वास जताया कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहाड़िया जनजातीय समुदाय के प्रत्येक परिवार तक पहुँचेगा।

6 दिवसीय वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 6 दिवसीय वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन झारखंड आजीविका सखी मंडल साहिबगंज के जिला प्रबंधक मार्टिन तारिक,जिला लाइवलीहुड अनुरुद्ध कुमार,बीपीएम बोरियो चांद अकरम,आसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक अतिथि फैकल्टी ललिता देवी और आसेटी प्रशिक्षक राजहंस कुमार, उपेन्द्र गोप ने संयुक्त रूप से सभी प्रशिक्षुओं को एफ एलसी सीआरपी किट और प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। निदेशक ने कहा यह प्रशिक्षण जेएसएलपीएस साहिबगंज के नौ प्रखंडों से आए हुए कुल तीस प्रशिक्षुओं ने भाग लिया.जिसको की वित्तीय साक्षरता सिखाया गया जिसमें सरकार की विभिन्न योजनाएं अटल पेंशन योजना,जीवन ज्योति बीमा योजना,सुरक्षा बीमा योजना,मुद्रा लोन,प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के साथ साथ बचत करना,गरीबी का चक्र,स्मार्ट बचत इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दिया ताकि ये दीदी अपने सखी मंडल जाकर सभी दीदियों की वित्तीय साक्षर बनाए।और स्वयं को आत्म निर्भर बनाए।मौके पर कार्यक्रम के संकाय राजहंस कुमार ने कहा कि यह दीदी समाज में एक नई उम्मीद बन कर कार्य करेगी जिसके एवज में आजीविका सखी मंडल के तरफ से उन्हें मानदेय भी दिया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आसेटी के सभी कर्मचारी जिसमें आकाश कुमार,रंजीत कुमार,सुरेन्द्र मुर्मू,नीरज शर्मा,तौफीक आलम,प्रशिक्षु पिंकी देवी,सुष्मिता देवी,गुड़िया देवी,मानसी देवी,अंजली देवी और अन्य दीदियों उपस्थित थी।

पुलिस ने गांवों में कैंप लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

पाटन : पलामू जिले के नावाजयपुर थाना पुलिस ने क्षेत्र के सूदूरवर्ती गांवों में कैम्प लगाकर सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद का आयोजन किया। एसपी के निर्देश के आलोक में थाना प्रभारी सतीश गुप्ता के अगुवाई में पोखरिया, कनोउदी, महुआखाला, सोनपुरवा गांव में कैंप लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना । ग्रामीणों ने पुलिस के साथ सीधा संवाद में जमीन की मामले, अवैध शराब कारोबार एवं अन्य समस्याओं से अवगत कराया। थाना प्रभारी ग्रामीणों को साइबर अपराध, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, बाल बिबाह, महिला अपराध तथा नशा के विरुद्ध जागरूक किया। उन्होंने कहा कि कहा की ग्रामीण किसी समय मदद के लिये संपर्क कर सकते है।
हेल्प लाइन नंबर की जानकारी भी ग्रामीणों के बीच साझा किया। कैंप का उद्देश्य सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से लोगों के बीच विश्वास एवं सहयोग बनाने की पहल है। कैंप में एसआई संतोष कुमार दास, रामदीन प्रसाद, एएसआई सुखदेव रविदास, बुद्धदेव उरांव आदि पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

धरती आबा जन भागीदारी अभियान से जनजातीय समुदाय का किया जा रहा है उत्थान : उपायुक्त

अभियान के सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय समिति की भूमिकाओं से कराया गया अवगत

संवाददाता

साहिबगंज : धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अन्तर्गत जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान₹ के तहत ओरिएण्टेशन का आयोजन उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता मे सिद्धो कान्हो सभागार में संपन्न की गई। कार्यक्रम का आयोजन विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित परियोजना निदेशक संजय कुमार दास के द्वारा ₹धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान₹ के बारे में प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि जनजातीय बहुल ग्रामों के सर्वांगीण विकास हेतु 5 वर्षों तक चलने वाली योजनाओं के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। भारतवर्ष के 30 राज्यों के 550 जिले के 3000 प्रखंडों के 1 लाख ग्रामों में 2 अक्टूबर 2024 को भगवान बिरसा के नाम पर प्रारंभ की गई योजना धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत झारखंड के 22 जिले के 224 प्रखंडों के 7100 गांव और साहिबगंज जिले के 08 प्रखंड के कुल 236 ग्रामों को प्रथम चरण में चिन्हित किया गया है। संपूर्ण योजना के संवेदनशील क्रियान्वयन तथा सिंगल विंडो ग्रीवेंस रिड्रेसल आदि सेवा केंद्र के संचालन तथा ग्राम विकास विजन के निर्माण के लिए ओरिएण्टेशन के जरिये मिशन आदि कर्मयोगी का राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय तथा प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद चयनित सभी ग्रामों में आदि साथियों की मदद से बॉटम अप अप्रोच के साथ सभी मूलभूत आवश्यकता जो व्यक्तिगत अथवा सामुदायिक प्रकृति की होंगी, उसको सुनिश्चित करने का विस्तृत प्लान बनाया जाना है। परियोजना निदेशक द्वारा बताया गया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान भारत के जनजाति समुदाय के संपूर्ण उत्थान के लिए एक अति महत्वकांक्षी योजना है। उनके द्वारा बताया गया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान भारत के जनजाति समुदाय के संपूर्ण उत्थान के लिए एक अति महत्वकांक्षी योजना है। इसमें जनजातीय समुदाय से संबंधित व्यक्तियों को लक्षित किया गया है, जिसमें साहिबगंज जिले के 08 प्रखंड के 236 गांव के अनुसूचित जनजाति समुदाय के परिवारों के व्यक्तियों को इस अभियान के अंतर्गत लक्षित किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत वैसे ग्रामों का चयन किया गया है। जिनकी कुल जनसंख्या 500 से अधिक हो और उसमें अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या कुल जनसंख्या का 50 प्रतिशत या उससे अधिक हो, तथा एस्पिरेशनल ब्लाक कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले प्रखंड इस अभियान के अंतर्गत वर्तमान वर्ष को शामिल करते हुए वर्ष 2028-29 तक के कुल 5 वर्षों में 17 मंत्रालयों के 25 से अधिक महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों/योजनाओं का क्रियान्वयन सैचुरेशन मोड में किया जाना है, जिसमें अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, विद्युतीकरण, मोबाइल कनेक्टिविटी, मोबाइल मेडिकल यूनिट्स, आयुष्मान कार्ड, उज्वला योजना अंतर्गत एलपीजी गैस कनेक्शन, आधार कार्ड निर्माण, आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण, समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत छात्रावास तथा क्लासरूम का निर्माण, स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स ट्राइबल मार्केटिंग सेंटर्स का निर्माण वन अधिकार पट्टा से आच्छादित व्यक्तियों को कृषि पशुपालन मत्स्य पालन से जोड़ने सहित 25 से अधिक योजनाओं का सैचुरेशन मोड में विभिन्न विभागों के द्वारा क्रियान्वित किया जाना है। योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उपायुक्त हेमंत सती द्वारा जिला स्तर के उपस्थित सभी पदाधिकारियों को उक्त योजना के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई एवं कार्यान्वयन के निदेश दिए गयें। इस अभियान के तहत गठित जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय समिति के कार्यों से भी लोगों को अवगत कराया गया। उपायुक्त श्री सती द्वारा जिला स्तरीय समिति को इस योजना के समयबद्ध क्रियान्वयन की सतत मॉनेटरिंग व गति शक्ति पोर्टल पर सभी योजनाओं का टारगेट आधारित प्रोग्रेस हेतु आंकड़ों का संधारण करने हेतु निदेशित किया गया। जबकि प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रखंड स्तरीय समिति का निर्माण करते हुए संबंधित विभागों के प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को शामिल कर प्रत्येक निर्धारित ग्राम में धरती आबा अभियान के गाइडलाइन के अनुसार ग्राम सभा आयोजित करते हुए एना लिसिस तैयार कर सभी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने का निदेश दिया गया।उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय सभी संबंधित विभागों का दायित्व होगा कि विभिन्न ग्रामों से प्राप्त विभिन्न योजनाओं का प्रस्ताव अलग-अलग विभाग धरती आबा अभियान अंतर्गत डीपीआर तैयार करते हुए राज्य मुख्यालय को क्रियान्वयन हेतु प्रस्ताव भेजना सुनिश्चित करेंगे एवं जिला स्तर से क्रियान्वित किये जा सकने वाले योजनाओं का क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग परियोजना निदेशक आईटीडीए के द्वारा किया जाएगा। यदि किसी मार्केटिंग केंद्र अथवा छात्रावास अथवा किसी आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण का प्रस्ताव प्राप्त होता है।तो उसके निर्माण हेतु सरकारी भूमि का नियमानुसार चयन करते हुए संबंधित प्रखंड के अंचल अधिकारी भूमि प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त श्री सती द्वारा इस महत्वकांक्षी योजना के सतत निगरानी व समीक्षा के लिए परियोजना निदेशक को निदेशित किया गया कि प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में इस अभियान अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों तथा विभिन्न लाइन डिपार्मेंट के द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा हेतु बैठक का आयोजन सुनिश्चित करेंगे।उक्त कार्यक्रम में उपरोक्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त मुख्य रूप से असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी रामदेव पासवान जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नु मिश्रा,जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्द जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी अन्य सम्बंधित पदाधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित थें।उक्त अभियान के सफल संचालन हेतु कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री सती द्वारा सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों को शपथ दिलाया कि इस अभियान का हम सब हिस्सा बने और अपने जिले और समाज में आज तक विकास यात्रा में पिछड़ रहे अपने जनजातीय समुदाय के भाइयों के लिए दिल से इस योजना के क्रियान्वयन में अपनी भूमिका अदा करें।

सूर्या हांसदा हत्याकांड मामले की सीबीआई से जांच करने की मांग

संवाददाता

दुमका : स्थानीय परिसदन में बुधवार को झारखंड क्रांति सेना और छात्र समन्वय समिति द्वारा एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर संथाल परगना समन्वय समिति का गठन किया गया. उपस्थित नेताओं के द्वारा सूर्या हांसदा के न्याय की लड़ाई और सीबीआई जांच करवाने के लिए सभी जनसंगठन,संस्था समिति,मंच और जनमानस को इस समिति से जुड़कर संयुक्त रूप से सभी को लड़ने का आह्वान किया। मौके पर क्रांति सेना केंद्रीय महासचिव निखिल मुर्मू ने कहा कि इस समन्वय समिति के माध्यम से संथाल परगना सहित समस्त झारखंड से विभिन्न जन संगठन जुड़ेंगे और एक मंच के नीचे आकर एक स्वर से सूर्या हांसदा के न्याय के लिए जन आंदोलन संघर्ष और कानूनी न्याय की लड़ाई को लड़ेंगे। छात्र समन्वय समिति के छात्र नेता श्यामदेव हेंब्रम ने कहा कि जिस प्रकार से साजिश रच करके एक उभरते हुए जननायक की हत्या प्रशासनिक माफिया गठजोड़ से की गई, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, इसमें समस्त झारखंडवासियों को एक मंच पर आकर न्याय के लिए लड़ने की जरूरत है। मौके पर छात्र नेता राजीव बास्की ने कहा कि सरकार सीबीआई जांच की अनुशंसा ना करके उल्टा सूर्या हांसदा को अपराधी घोषित करने में लगे हुए हैं उनके लिए न्याय मांगने वालों को एजेंट,पार्टी का दलाल घोषित किया जा रहा है जो बेहद गलत है। झामुमो के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य और विधायक हेमलाल मुर्मू बिना तथ्यों के खुद कोर्ट बनकर लोगों को अपराधी घोषित कर रहे हैं जो काफी निंदनीय है।
मौके पर अमित मुर्मू, रवि राजमरांडी, सुरेश कुमार, लव किशोर, फ्रांसिस मुर्मू,अरविंद टुडू, अमन आदि सदस्यों उपस्थित थे.

जमीन विवाद मामले में मारपीट, केस दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के हरेराम टोला गांव में जमीन विवाद को लेकर मंगलवार की शाम मारपीट का मामला सामने आया है। मामले को लेकर पीड़ित प्रभाष कुमार यादव ने थाना में लिखित आवेदन देकर सात नामजद आरोपियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार 16 अगस्त को शाम करीब 5:30 बजे पीड़ित प्रभाष कुमार यादव अपने निजी काम से बरहरवा गया हुआ था। इसी दौरान उसके रिश्तेदार सुलेखा बेवा, मनोज घोष, लक्खी देवी, बापोन घोष, स्वपन घोष, सनातन घोष और मिठुन घोष हथियार से लैस होकर उसके घर में घुस गए और गाली-गलौज करते हुए परिवार को धमकी देने लगे कि तुरंत जमीन खाली कर दो, नहीं तो जान से मार देंगे। आरोप है कि सभी ने मिलकर पीड़ित के पिता, भाई और मां के साथ मारपीट की। इस दौरान सुलेखा बेवा, मनोज घोष और लक्खी देवी ने मिलकर पीड़ित की मां रानी देवी को बाल पकड़कर जमीन पर गिरा दिया। मामला बढ़ने पर जब पीड़ित की पत्नी शिल्पा देवी बीच-बचाव करने आईं तो बापोन घोष ने बुरी नीयत से उन्हें पकड़ लिया और छेड़छाड़ की।

धूमधाम से मनाई गई भगवान श्री गणेश चतुर्दशी पुजनोत्सव

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : भगवान श्री गणेश के जन्मोत्सव गणेश चतुर्दशी बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों एवं क्लबों में प्रत्येक वर्ष की भाँति विधि विधान के साथ मनाया गया।बुधवार को बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के बड़ी काली मंदिर काली तल्ला बरहरवा में युवा संगठन ग्रुप क्लब के बैनर तले भगवान श्री गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित कर पूरे विधि विधान के साथ गणेश चतुर्दशी पूजा संपन्न हुआ।वहीं बरहरवा स्टेशन चौक काली मंदिर में भी भगवान गणेश की पूजा अर्चना विधि विधान के साथ सम्पन्न की है।इस दौरान पुरोहित देवाशीष चक्रवर्ती एवं यजमान के रूप में अमन कुमार राय पूजा में शामिल हुए। इस संबंध में क्लब के अध्यक्ष अनूप शाह ने बताया कि हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी बड़ी काली मंदिर प्रांगण में गणेश उत्सव धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है इस वर्ष भी विधि विधान के साथ पूजा संपन्न हुआ एवं भंडारा काफी आयोजन किया गया है। भंडारा में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। वही गणेश चतुर्थी उत्सव के अवसर पर तेरा की प्रतियोगिता मटकी फोड़ प्रतियोगिता मोमबत्ती जलो प्रतियोगिता के अलावा अन्य कई खेल कुद कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है।मौके पर रॉकी रामानी विशाल दास सेनटू शाह रोनित दास विनीत दास बाबुल दास चांद सूरज मांटू दास राजा चौधरी सौरभ चौधरी राकेश राजेश के आला वे अन्य लोग शामिल थे।

आने वाला दुर्गापूजा कैसे हो इस पर विस्तार से चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज : देर शाम दुर्गा पूजा को लेकर चौक बाजार मछुआ पट्टी दुर्गा पूजा समिति की बैठक हुई.बैठक में बीते साल 2024 का खर्च का ब्योरा अध्यक्ष और सचिव ने मिलकर बैठक में खर्च का हिसाब कमिटी को दिया.बताते चले की अगले साल 2024 मे दुगार्पूजा मे खर्च 8 लाख के करीब हुआ था।वही बैठक मे आने वाला दुगार्पूजा कैसे हो इस पर विस्तार से चर्चा की गई.वही इस बार भी महंगाई को देखते हुए 8 से 9 लाख का पूजा खर्च बजट बनाया गया.बैठक मे मुख्य रूप से काली दास पाठक,जय प्रकाश सिन्हा बेद प्रकाश खुडाकिया, दिलीप तुलस्यान, मनोज ठाकुर, समय भगत राज किशोर स्वर्णकार, सुनील यादव,अजित कुमार,दिनेश मंडल,परमानंद सिंह, राजेश कुमार जिल्हा(बल्लू), विकास खर्णकार, विक्की सिन्हा, कैलाश साह, संतोष कुमार शुभम डोकानिया, अरविंद कुमार, सतीश साह, अनिल भगत, बबलू सिन्हा, अमन सिन्हा उपस्थित थे।

वोटिंग से नहीं होगा छात्रसंघ चुनाव लोकतंत्र का गला घोंट रही सरकार : इन्द्रोजीत

संवाददाता

साहिबगंज : छात्र संघ चुनाव पर रोक और सरकार द्वारा वीसी प्रोवीसी की नियुक्ति का निर्णय लोकतंत्र की हत्या छात्र नेता इन्द्रोजीत के द्वारा प्रेस वज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि झारखंड विधानसभा में पास हुए उस विधेयक का छात्र समाज तीव्र विरोध करता है। जिसमें यह प्रावधान किया गया है कि अब विश्वविद्यालयों में छात्र संघ का चुनाव मतदान के जरिए नहीं होगा और सरकार सीधे-सीधे कुलपति एवं प्रो-वीसी की नियुक्ति करेगी। यह निर्णय न केवल छात्रों की आवाज को दबाने वाला है, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों पर सीधा प्रहार भी है।छात्र नेता इन्द्रोजीत ने कहा कि ह्लयह विधेयक छात्रों को शिक्षा से वंचित करने और उनके लोकतांत्रिक अधिकार छीनने की गहरी साज़िश है। अब छात्र संघ चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया से नहीं होकर केवल कुलपति द्वारा मनमाने तरीके से प्रतिनिधियों की नियुक्ति से होगा, जिससे छात्रों की वास्तविक आवाज विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार तक कभी नहीं पहुँच पाएगी। यह

छात्रों के अधिकारों का हनन है और किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे कहा कि सरकार जिस तरह से निजी संस्थानों की मनमानी फीस पर नियंत्रण करने का दिखावा कर रही है। और दूसरी तरफ छात्रों की भागीदारी को खत्म कर रही है।यह दोहरा रवैया साफ दशार्ता है।कि सरकार छात्रों को केवल कमजोर और नियंत्रित बनाना चाहती है। छात्र संघ हमेशा से छात्र-छात्राओं के अधिकारों उनकी समस्याओं और आवाज को उठाने का सबसे मजबूत लोकतांत्रिक मंच रहा है। अब उस मंच को खत्म कर दिया जा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि अगर सरकार ने इस तुगलकी फरमान को वापस नहीं लिया तो राज्यभर के कॉलेज और विश्वविद्यालयों में बड़े पैमाने पर आंदोलन छेड़ा जाएगा। इन्द्रोजीत ने चेतावनी देते हुए कहा कि ह्लछात्र अपनी आवाज दबने नहीं देंगे। हम सड़क से सदन तक इस काले कानून के खिलाफ संघर्ष करेंगे और जरूरत पड़ी तो भूख हड़ताल, धरना-प्रदर्शन से लेकर विधानसभा का घेराव भी करेंगे।उन्होंने में यह भी कहा है कि सरकार को याद रखना चाहिए कि छात्र समाज ही भविष्य की रीढ़ है। अगर लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए प्रतिनिधियों की जगह नियुक्त प्रतिनिधि थोपे गए तो यह छात्रों की आवाज का गला घोंटने जैसा होगा।अंत में इन्द्रोजीत ने अपील की कि सभी छात्र, शिक्षक, सामाजिक संगठन और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले लोग इस काले कानून का विरोध करें और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर लड़ाई लड़ें।

अनुराग कश्यप ने खोला फिल्म निशानची के टाइटल का राज

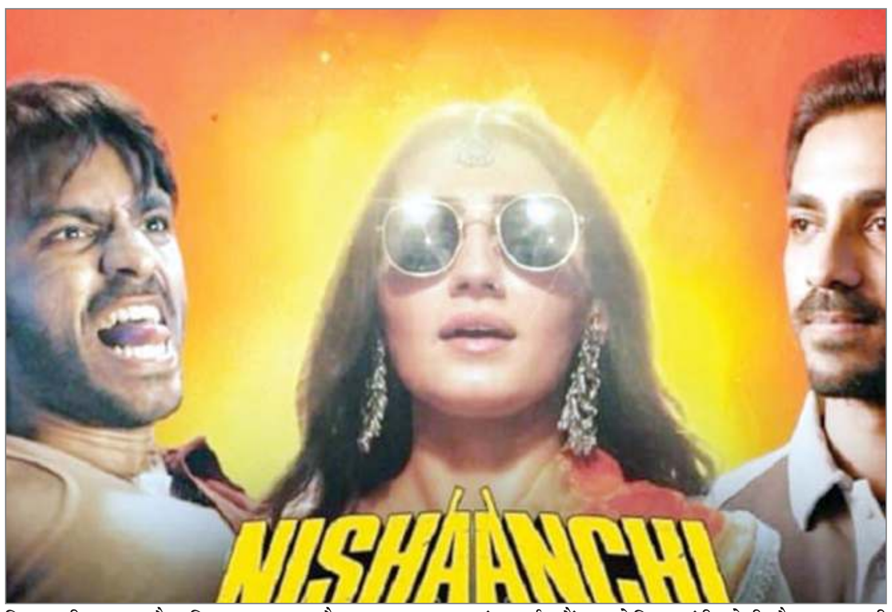

बॉलीवुड फिल्मकार अनुराग कश्यप ने बताया है कि उनकी आने वाली फिल्म निशानची का टाइटल कैसे तय हुआ। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया की फिल्म निशानची को अनुराग कश्यप ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो की नई जोड़ी नजर आने वाली है। फिल्म के टाइटल को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। अनुराग कश्यप ने खुलासा किया है कि फिल्म का असल टाइटल पहले कुछ और रखा गया था, जिसे बाद में उसे बदलकर निशानची रखा गया।

अनुराग कश्यप ने बताया कि, शुरू में फिल्म का टाइटल बबलू निशानची, रंगीली रिंकू और डबलू रखा गया था, जिसपर सबने कहा कि ये टाइटल बहुत बड़ा है। कैसे आखिरकार इसका टाइटल निशानची बना और फिल्म का नाम फाइनल हुआ, यही इसकी कहानी है। फिल्म निशानची में ऐश्वर्य के दोनों किरदार बबलू और डबलू जुड़वां भाई हैं, जबकि रिंकू यानी वेदिका पिंटो का किरदार है। फिल्म में बबलू गहराई से रिंकू से प्यार करता है, लेकिन एंट्री होती है डबलू की और उससे हालात बदल जाते हैं। इस तरह से कहानी में टकराव के साथ ड्रामा शुरू हो जाता है। अनुराग कश्यप ने हाल ही में ये भी बताया है कि निशानची पर काम करते हुए उन्हें ऐसा लगा जैसे वो अपनी असली कहानी कहने की जड़ों में लौट आए हों, और अपनी फिल्ममेकिंग के उस रॉ अंदाज को फिर से जिया हो।

फिल्म निशानची ऐश्वर्य ठाकरे की एक्टिंग की शुरूआत है, जो एक दमदार डबल रोल में दिखेंगे। उनके साथ फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म निशानची के निमार्ता अजय राय और रंजन सिंह हैं। यह फिल्म जार पिक्चर्स और फ्लिप फिल्म्स के बैनर तले बनी है। इसकी कहानी प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने लिखी है। फिल्म निशानची 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

120 बहादुर ने फरहान को किया प्रेरित, बोले- कहानी ने दिल को छुआ

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार फरहान अख्तर का कहना है कि फिल्म 120 बहादुर की कहानी ने उनके दिल को छुआ और उनके अंदर एक नया अहसास जगाया है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज की फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर, पीवीसी मेजर शैतान सिंह भाटी के दमदार अवतार में हैं। इस फिल्म को लेकर फरहान अख्तर खुद भी काफी इमोशनल नजर आए। ऐसे में फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें कई तरह से छुआ है और उनके अंदर एक नया अहसास जगाया है। फरहान अख्तर ने कहा, जब मैंने सिर्फ शैतान सिंह जी की नहीं, बल्कि उनके साथ लड़ने वाले सैनिकों की भी कहानी सुनी, तब मैं बहुत प्रेरित हुआ। इससे मुझे यह एहसास हुआ कि अगर इंसान ठान ले, तो वह अपने लोगों और समाज के लिए बहुत कुछ कर सकता है। यही वह जज्बा था जो मुझे अंदर तक छू गया। फरहान ने कहा, हम सभी कलाकारों के पास बस अपनी समझ और महसूस करने की ताकत ही होती है, और उसी की मदद से हम काम करते हैं। लेकिन ये ऐसी कहानी है जो वक्त की कसौटी पर पहले ही खरी उतर चुकी है। कहानी मुझ तक पहुंची और लगभग 64 साल बाद भी इस कहानी को बनाने को लेकर उत्साह है। और ये बात ही खुद ही बहुत कुछ बयां कर रही है।

फिल्म 120 बहादुर की कहानी 1962 के रेजांग ला युद्ध पर आधारित है। इसमें 120 भारतीय सैनिकों की सच्ची और उनकी शानदार दास्तान दिखाई गई है, जिन्होंने दुश्मनों के सामने डटकर बिना हार माने अपनी जमीन की रक्षा की। इस फिल्म को रजनीश रेजी घई ने निर्देशित किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गोविंदा की पत्नी सुनीता ने तलाक की अफवाह पर कहा ,कोई हमें अलग नहीं कर सकता

मीडिया में तलाक की अफवाह के बीच, अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने बुधवार को कहा कि वे पूरी तरह साथ हैं और कोई भी उन्हें अलग नहीं कर सकता। मुंबई में अपने घर पर गणेश चतुर्थी समारोह में, इस जोड़े ने मैचिंग मैरून भारतीय परिधान पहन रखे थे। सुनीता ने इस मौके पर मीडियाकर्मियों से कहा, क्या आज हम इस तरह इतने करीब देखकर मीडिया को तमाचा नहीं लगा है? अगर कुछ गड़बड़ होती, तो क्या हम इतने करीब होते? हमारे बीच दूरियां आ जातीं। कोई भी हमें अलग नहीं कर सकता... मेरा गोविंदा सिर्फ. मेरा है और किसी और का नहीं। जब तक हम कुछ न कहें, कृपया कुछ भी न लिखें। पिछले हफ्ते एक खबर में दावा किया गया था कि सुनीता ने 5 दिसंबर, 2024 को बांद्रा कुटुंब अदालत में व्यभिचार, क्रूरता और परित्याग का हवाला देते हुए तलाक के लिए अर्जी दी थी।

गोविंदा के मैनेजर ने इसे पुरानी खबर बताकर खारिज कर दिया और कहा कि यह जोड़ा साथ है। अभिनेता के मैनेजर शशि सिन्हा ने पूर्व में पीटीआई-भाषा को बताया था, यह वही पुरानी खबर है जो छह-सात महीने पहले आई थी। सुनीता ने छह-सात महीने पहले तलाक की अर्जी दी थी। अब सब कुछ सुलझ रहा है। एक-दो हफ्ते में सबको खबर मिल जाएगी। इस साल फरवरी में सुनीता द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद कि वे अलग-अलग घरों में रह रहे हैं, उनके तलाक की अफवाहें शुरू हो गईं। दंपति के दो बच्चे हैं - बेटा यशवर्धन आहूजा और बेटी टीना आहूजा।

सलमान खान ने परिवार संग मनाई गणेश चतुर्थी, बप्पा की आरती करते आए नजर

बॉलीवुड में गणेश उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। बुधवार को सलमान खान ने भी परिवार के साथ भगवान गणेश का स्वागत किया। इस अवसर पर वह अपने माता-पिता सलीम और सलमा खान के साथ आरती करते हुए नजर आए, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

सलमान खान की बहन अर्पिता खान शर्मा हर साल की तरह इस बार भी गणपति बप्पा को अपने घर लेकर आई हैं। बप्पा के आगमन के इस शुभ अवसर पर खान और शर्मा परिवार के साथ-साथ बॉलीवुड के कई सितारे भी भक्ति में डूबे नजर आए। एक्टर ने खुद इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

वहीं, इस वीडियो में यूजर्स भी जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, यह शख्स हर धर्म का सम्मान करता है।, दूसरे ने कहा, भाईजान को प्यार। तीसरे ने कहा, इसीलिए मैं उन्हें बहुत प्यार करता। वह और उनके परिवार सच्चे इंस्पिरेशन हैं। आई लव यू सलमान। इसके अलावा कई और यूजर्स ने कमेंट्स किए हैं। सलमान खान आखिरी बार फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। इसमें उनके साथ साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी थी। अब सलमान खान की अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान है, जिसका निर्देशन अपूर्व लखिया कर रहे हैं। फिल्म में सलमान कर्नल संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं। यह 2020 में हुए इंडो-चाइना वॉर पर आधारित फिल्म है।

फिल्म हैवान का हिस्सा बनीं सैयामी खेर

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर निर्देशक प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित फिल्म हैवान की शानदार स्टारकास्ट का हिस्सा बन गई हैं। फिल्म हैवान में बॉलीवुड के दमदार सितारे अक्षय कुमार और सैफ अली खान नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और इसे लेकर पहले से ही दर्शकों में उत्सुकता है। फिल्म हैवान सैयामी के लिए खास इसलिए है क्योंकि यह उनका पहला मौका है जब वह अक्षय, सैफ और प्रियदर्शन जैसे दिग्गजों के साथ काम कर रही हैं। सैयामी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हैवान के सेट पर कदम रखना मेरे लिए बेहद भावुक और खूबसूरत पल था। मुझे अब भी याद है जब मैं छोटी थी और थिएटर में बैठकर अक्षय सर को एक्शन में नए अंदाज में देखते हुए दंग रह जाती थी या फिर सैफ सर की कॉमेडी पर हंसते-हंसते लोटपोट हो जाती थी।

जब मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन उन्हीं लोगों के साथ मैं एक ही सेट पर खड़ी रहूंगी, जिनकी फिल्में देखकर ही मैंने सिनेमा से प्यार करना सीखा था। सैयामी ने कहा कि आज जब मैं शूट पर चारों तरफ देखती हूं तो खुद को याद दिलाना पड़ता है कि यह हकीकत है। वही चेहरे, जिन्हें मैं कभी दर्शक बनकर पर्दे पर देखती थी, आज उनके साथ फ्रेम शेयर कर रही हूं। और फिर प्रियदर्शन सर हैं, मेरे लिए वे सिर्फ निर्देशक नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे कहानीकार हैं जिन्होंने हमें सिनेमा की कई यादगार फिल्में दी हैं। उनकी फिल्मों की वजह से ही मुझे फिल्मों से इतना लगाव हुआ और आज उनके निर्देशन में काम करना मेरे लिए जैसे सपना सच होने जैसा है। अभी शूटिंग की शुरूआत ही हुई है, लेकिन मैं हर पल को महसूस कर रही हूं।उत्साह, घबराहट और आभार से भरा हुआ। मेरा दिल खुशियों से भर गया है और मुझे बेहद गर्व है कि मैं इस खास फिल्म का हिस्सा हूं।

आईसीसी ओडीआई रेटिंग: शुभमन गिल और रोहित शर्मा वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

दुबई: आईसीसी पुरुष वनडे खिलाड़ी रैंकिंग की नवीनतम जारी सूची में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने बढ़त हासिल की है जबकि शुभमन गिल और रोहित शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा, लेकिन मैके में श्रृंखला के अंतिम मैच में शानदार जीत के बाद आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम को नवीनतम रैंकिंग में बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 50 ओवरों के इस मुकाबले में 431/2 का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें उनके तीन बल्लेबाजों ट्रैविस हेड (142), मिच मार्श (100) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 118) ने शतक जड़े। परिणामस्वरूप, तीनों ने वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में अच्छी बढ़त हासिल की, जिसमें हेड एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर, मार्श चार पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ग्रीन 40 पायदान ऊपर चढ़कर 78वें स्थान पर पहुँच गए।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के उनके साथी जोश इंगलिस ने भी वनडे बल्लेबाजों की सूची में जगह बनाई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे मैच में 87 रनों की पारी की बदौलत यह दाएं हाथ का बल्लेबाज 23 स्थानों के सुधार के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गया है। भारतीय जोड़ी शुभमन गिल (784 रेटिंग अंक) और रोहित शर्मा (756) वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि पाकिस्तान के दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर आजम (739) शीर्ष तीन में शामिल हैं।

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर स्थिति और भी कड़ी है, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच श्रृंखला समाप्त होने के बाद श्रीलंका के स्पिनर महेश दीक्षाना 671 रेटिंग अंकों के साथ साथी स्पिनर केशव महाराज के साथ शीर्ष पर हैं। महाराज ने सीरीज के आखिरी मैच में 57 रन देकर 1 विकेट चटकाने के बाद अपनी रैंकिंग खो दी है। उनकी रेटिंग दीक्षाना के बराबर हो गई है, जबकि श्रीलंकाई स्पिनर पूरे हफ्ते मैदान पर नहीं उतरे।

गेंदबाजों की वनडे रैंकिंग में सबसे बड़ा उछाल लुंगी एनगिडी के जरिए आया। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में सीरीज में सबसे ज्यादा सात विकेट लेने के बाद छह स्थान की छलांग लगाकर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी सीन एबॉट (नौ स्थान की छलांग के साथ 48वें स्थान पर) और नाथन एलिस (21 स्थान की छलांग के साथ 65वें स्थान पर) ने भी प्रोटियाज के साथ सीरीज के दौरान कुछ अच्छे प्रदर्शन के बाद वनडे गेंदबाजों की सूची में जगह बनाई है।

एशियाई चैंपियनशिप

अनीश ने 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में जीता रजत

एजेंसियां— शिमकेंट (कजाखस्तान): भारतीय निशानेबाज अनीष भानवाला ने बुधवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीता। 22 वर्षीय अनीष स्वर्ण पदक की दौड़ में सिर्फ एक अंक से चूक गए। उन्होंने 35 अंक जुटाए, जो स्वर्ण पदक विजेता चीन के शु लियानबोफान से एक अंक कम रहा। कांस्य पदक कोरिया के ली जेइकयून ने जीता। अनीष शुरूआती चार सीरीज के बाद एक अंक से आगे चल रहे थे, लेकिन इसके बाद पिछड़ गए। भारत ने प्रतियोगिता में अब तक 72 पदक जीते हैं। प्रतियोगिता में जूनियर स्पधाएं भी हो रही हैं। जूनियर निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अब तक 39 स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। वहीं ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा ने कजाकिस्तान के शिमकेंट में खेले जा रहे 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में मंगलवार को विमेंस 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में गोल्ड मेडल जीता। सिफ्ट कौर का एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में यह पहला गोल्ड है। इसके अलावा टीम इवेंट में भी भारत को गोल्ड मिले। वहीं, भारत के जूनियर खिलाड़ियों ने भी प्रतियोगिता के नौवें दिन गोल्ड, दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीते, जिनमें चार टीम गोल्ड शामिल हैं।

पीवी सिंधु दूसरी जीत के साथ अंतिम 16 में

वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में मलेशिया की लेत्शाना को हराया

नई दिल्ली: डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट भारत की पीवी सिंधु ने वर्ल्ड चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 16 में एंट्री कर ली है। उन्होंने बुधवार को विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 के मैच में मलेशिया की लेत्शाना कारुपथेवान को सीधे गेम में हराकर बाहर किया। पेरिस के अडीडास एरिना में मिक्स्ड डबल्स और मेंस डबल्स इवेंट में भारतीय जोड़ियों को सफलता मिली। वर्ल्ड नंबर-9 भारत के सात्विक और चिराग की मेंस डबल्स पेयर ने भी राउंड ऑफ 16 में एंट्री कर ली। पिछड़ने के बाद सिंधु ने वापसी की पहले गेम में एक समय मलेशियन प्लेयर 18-13 से आगे थीं। सिंधु ने यहां से वापसी की और 21-19 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरूआत से ही बढ़त बना ली। हाफ स्टेज तक वे 11-6 से आगे थीं। फिर 21-15 से दूसरा गेम जीता और मैच अपने नाम कर लिया।

सात्विक-चिराग भी जीते: मेंस डबल्स में सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की वर्ल्ड नंबर-9 भारतीय जोड़ी ने भी अगले राउंड में एंट्री कर ली। उन्होंने चीनी ताइपे के कुआंग हेंग और यांग पो हान को सीधे गेम में हराकर बाहर कर दिया। दोनों ने 22-20 के करीबी अंतर से पहला गेम जीता। फिर 21-13 से दूसरा गेम जीतकर राउंड ऑफ 16 में एंट्री भी कर ली।

प्रणय का मैच बाकी: राउंड ऑफ 32 में भारत से मेंस सिंगल्स और डबल्स में भी 1-1 उम्मीद बाकी है। एचएस प्रणय सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-2 डेनमार्क के आंद्रेस एंटोंसेन से भिड़ेंगे। उनसे पहले राउंड ऑफ 64 में भारत के लक्ष्य सेन को वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की से हार का सामना करना पड़ा था।

ट्रंप टैरिफ का असर जारी, 700 अंक लुढक गया सेंसेक्स

मुंबई: अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का भारत पर खूब असर दिख रहा है। गुरुवार को भी ट्रंप टैरिफ से बाजार सहमा नजर आया और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 39.88 अंक लुढककर 80,754.66 अंक पर खुला और 693.02 अंक टूटकर 80,093.52 अंक तक उतर गया। खबर लिखे जाते समय कुछ सुधार के साथ यह 431.63 अंक (0.53 प्रतिशत) नीचे 80,354.91 अंक पर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 16.25 अंक गिरकर 24,695.80 अंक पर खुला।

खबर लिखे जाने तक यह भी 119.60 अंक यानी 0.48 प्रतिशत फिसलकर 24,592.45 अंक पर था। आईटी, स्वास्थ्य, फार्मा, बैंकिंग रियलिटी, धातु ऑटो समेत लगभग सभी क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का जोर रहा। सिर्फ टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक हरे निशान में चल रहा था। अमरीका द्वारा भारतीय उत्पादों पर बुधवार से 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क बढ़ाने का असर घरेलू शेयर बाजारों पर देखा जा रहा है। सेंसेक्स में एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सनफार्मा, महिंद्र एंड महिंद्रा, एयरटेल और टाटा मोटर्स समेत 20 कंपनियों के शेयरों में निवेशक बिकवाली कर रहे हैं। इटरनल, एलएडंटी, अडानी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स समेत 10 कंपनियों में लिवाली चल रही है।

आगरा के जूता कारोबार पर दिखा ट्रंप टैरिफ का असर

आगरा: अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने का असर आगरा के जूता कारोबार पर देखने को मिल रहा है। आगरा से हर साल करोड़ों रुपए का जूता निर्यात होता है। शू फैक्टर फैडरेशन के अध्यक्ष विजय सामा ने बताया कि इस बार करीब पांच लाख जोड़ी जूते बनाने का ऑर्डर मिले हैं। टैरिफ की वजह से ऑर्डर या तो रद्द हो रहे हैं या फिर होल्ड कर कर दिए हैं। कुछ व्यापारी पूरी तरह से अमरीका में ही निर्यात करते हैं। आज वो फैक्ट्रियां बंद होने के कगार पर हैं। जूता बनाने में इस्तेमाल होने वाले मैटेरियल को बेचने वाले व्यापारियों के सामने भी दिक्कत आ रही है। उम्मीद है कि सरकार जल्द कोई ठोस कदम उठाएगी।

जूता निर्यातक राजेश सहगल ने बताया कि अमरीका से मिले ऑर्डर को लेकर अभी तक तय नहीं हो पा रहा है कि जूता का बनाया जाए या नहीं । अभी ऑर्डर होल्ड पर कर दिए हैं और अगले 20-25 दिनों में स्थिति स्पष्ट होगी। अमरीका के टैरिफ से जूता निर्यात पर असर है तो निश्चित तौर पर कारीगर भी अछूते नहीं रहेंगे। कारीगरों की रोजी रोटी पर भी संकट पैदा होने की संभावना है। जूता कारीगर राकेश ने बताया कि जब कम्पनियों के पास काम नहीं होगा तो कारीगरों के पास भी काम नहीं होगा। कारीगर बेरोजगार हो जाएगा और घर बैठ जाएगा।

गूगल मैप ने फिर दिखाया मौत का रास्ता, एक बच्ची की गई जान, दो महिलाएं और लड़की लापता

चित्तौड़गढ़: राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के राशमी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात उफनती बनास नदी में वैन के गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं और एक बच्ची लापता हैं। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि भूपालसागर क्षेत्र के गांव काना खेड़ा निवासी गाडरी परिवार के नौ लोग एक वैन में भीलवाड़ा स्थित सवाई भोज मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे। चालक गूगल मैप के आधार पर कार चला रहा था। रात एक बजे वे गूगल मैप के जरिए राशमी थाना क्षेत्र में सोमी और उपरैड़ा गांव को जोड़ने वाली बंद पड़ी पुरानी पुलिया पर पहुंच गए जहां उफनती बनास नदी में चालक ने वैन उतार दी जो कुछ दूर एक बड़े गड्ढे में उतरकर पलट गई। इससे वैन में सवार पांच लोग किसी तरह सुरक्षित निकल गए, लेकिन दो महिलाएं अपनी मासूम बच्चियों के साथ तेज बहाव में बह गईं।

सूचना मिलने पर रात में ही मौके पर राशमी थानाधिकारी एवं ग्रामीण पहुंच गए, लेकिन अंधेरे के कारण बचाव कार्य नहीं किया जा सका। आज सुबह जिला मुख्यालय से राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) का दल मौके पर पहुंचा और लापता लोगों की तलाश शुरू की। दो घंटे बाद खुशी नामक बच्ची का शव मिल गया, लेकिन दो महिलाओं चंदा गाडरी एवं ममता गाडरी एवं बच्ची रुत्वी का पता नहीं चला है। सुबह मौके पर जिला कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी भी पहुंच गए और बचाव कार्य का जायजा लिया।

उल्लेखनीय है कि बनास नदी पर बसे मातृकुंडिया बांध में राजसमंद से आए पानी के चलते सिंचाई विभाग ने कल शाम पूर्व घोषणा करके रात दस बजे बांध के दो गेट और खोले थे जबकि तीन गेट पहले ही खुले हुए थे, जिससे बनास नदी रात को तेज उफान पर आ गई।

सुकमा में नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या

सुकमा: छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने धारदार हथियार से एक ग्रामीण की हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिलगेर गांव में नक्सलियों ने शिक्षादूत लक्ष्मण बारसे (30) की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि आज शाम लगभग 7.30 बजे हथियारबंद नक्सलियों का समूह सिलेगर गांव पहुंचा और बारसे की हत्या कर दी। इस दौरान जब उसके परिजन बीच-बचाव करने पहुंचे तब नक्सलियों ने उनके साथ भी मारपीट की।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के पेगड़ापल्ली गांव का मूल निवासी बारसे मंडीमरका गांव के स्कूल में कार्यरत था। वह वर्तमान में सिलगेर में निवास कर रहा था, जहां यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में जानकारी मिलने के बाद जगरगुंडा थाने की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नीतीश के मंत्री-विधायक को ग्रामीणों ने एक किलोमीटर तक खदेडा

नालंदा: बिहार के नालंदा में बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ प्रेम मुखिया पर लोगों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों दोनों के पीछे लाठी-डंडे लेकर दौड़े। जान बचाने के लिए दोनों नेता एक किलोमीटर भागे और तीन गाडि ?ां बदलीं। नालंदा सीएम नीतीश कुमार का गृह जिला है। बिहार में तीन दिन में दूसरे मंत्री पर हमला हुआ है।

25 अगस्त को पटना के अटल पथ पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे की गाड़ी पर पथराव हुआ था। बता दें कि 23 अगस्त को पटना के फतुहा में हिलसा के नौ लोगों की सडक हादसे में मौत हुई थी। विधायक और मंत्री मलामा गांव में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। थोड़ी देर मिलने और फोटो इत्यादि खिंचवाने के बाद जब वे लौटने लगे, तो गांव वालों ने उन्हें कुछ देर और रुकने को कहा। भीड़ ने पहले स्थानीय पत्रकार और विधायक कृष्ण मुरारी को घेर लिया। लाठी-डंडे निकालकर ले आए। गांववालों का कहना था कि विधायक के कहने पर ही घटना के दिन किए गए जाम को हटाया था, आज तक सही मुआवजा नहीं मिला। यह कहते हुए ग्रामीण उग्र हो गए और मंत्री और विधायक के पीछे दौड़ पड़े।

दो दिवसीय दौरे पर असम आएंगे गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा संगठन की तैयारियों का लेंगे जायजा

नई दिल्ली: असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को गुवाहाटी में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 8 सितंबर का असम दौरा स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 8 सितंबर का असम दौरा स्थगित कर दिया गया है।

गुवाहाटी पहुंचने के बाद शाह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कोर समिति की बैठक में शामिल होंगे और शाम को पार्टी सदस्यों के साथ रात्रिभोज करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा, वह आगामी असम विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा करेंगे, जो पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

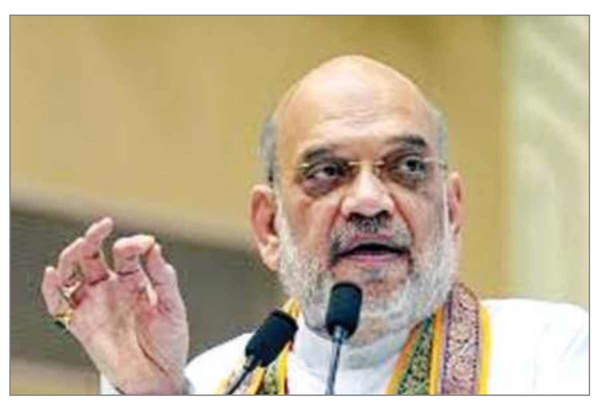

गुवाहाटी पहुंचने के बाद शाह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कोर समिति की बैठक में शामिल होंगे और शाम को पार्टी सदस्यों के साथ रात्रिभोज करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा, वह आगामी असम विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा करेंगे, जो पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

गृह मंत्री इस पर विशेष ध्यान देते हैं। शाह शुक्रवार को राजभवन की नव-निर्मित ब्रह्मपुत्र इकाई का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह नेशनल साइबर फॉरेंसिक लैब का उद्घाटन करेंगे और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और असम राइफल्स की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। बाद में वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नवनिर्वाचित पंचायत सदस्यों के एक सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम के बाद वह ज्योति-बिष्णु सांस्कृतिक परिसर की प्रगति की समीक्षा करेंगे। यह एक सभागार है, जिसकी क्षमता 5,000 लोगों की है। शाम को शाह राज्य के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा की जयंती समारोह के शताब्दी वर्ष का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह नयी दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

भूस्खलन के बाद वैष्णो देवी यात्रा अब भी स्थगित श्रद्धालु फिर से शुरू होने का कर रहे इंतजार

नई दिल्ली: वैष्णो देवी यात्रा स्थगित होने के बाद, कई श्रद्धालु इस क्षेत्र में फँस गए हैं और कुछ कटरा के होटलों में यात्रा शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। इलाके में मौजूद श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्हें रास्ते से मलबा हटने तक इंतजार करने को कहा गया है। घटना के बाद रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है और बचाव एवं निकासी अभियान अभी जारी है। एएनआई से बात करते हुए, एक श्रद्धालु राजा कुमार ने कहा कि मलबा हटने के बाद यात्रा फिर से शुरू हो जाएगी; हालाँकि, उन्होंने इस पर संदेह भी जताया।

राजा ने कहा कि यात्रा फिलहाल रोक दी गई है। हम दो दिन एक होटल में ठहरे हैं। अब हम यहाँ से वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन करने के बाद ही लौटेंगे। पहाड़ी पर रेड अलर्ट है और वहाँ एक दुर्घटना भी हुई है। मलबा हटने के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। कोई नहीं जानता कि यात्रा कब शुरू होगी। एक अन्य श्रद्धालु संजीव कुमार ने कहा कि यह फि लहाल बंद है। इस संबंध में अलर्ट भी जारी कर दिया गया है... हम वैष्णो माता के दर्शन करने के बाद ही लौटेंगे... सरकार और प्रशासन फिलहाल इलाके को साफ करवा रहे हैं।

इस बीच, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भूस्खलन पीड़ितों के शवों को उनके पैतृक स्थानों पर पहुँचाने की ज़िम्मेदारी ले ली है। जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले के कटरा में वैष्णो देवी मंदिर के पास एक विनाशकारी भूस्खलन हुआ, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की जान चली गई और 20 अन्य घायल हो गए। यह आपदा मंगलवार दोपहर लगभग 3 बजे आई, जब भारी बारिश के कारण कटरा से मंदिर तक 12 किलोमीटर की यात्रा के लगभग आधे रास्ते में, अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी भूस्खलन हुआ।

जम्मू कश्मीर में भारी बारिश के कारण, खासकर जम्मू क्षेत्र में, तवी नदी के उफान पर होने के कारण भयंकर बाढ़ आ गई है। बाढ़ के पानी ने इलाके के कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुँचाया है। लगातार भारी बारिश के बाद आई बाढ़ में चौथे तवी पुल के साथ सड़क का एक हिस्सा बह गया है। आईएमडी के अनुसार, आज से जम्मू-कश्मीर में बारिश की गतिविधियों में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है, हालाँकि, अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में कुछ स्थानों पर भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

पंजाब के 8 जिले भीषण बाढ़ की चपेट में, 200 से अधिक गांव डूबे, रेस्क्यू के लिए उतरी सेना

चंडीगढ़: जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण पंजाब के सीमावर्ती जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के आठ जिले भीषण बाढ़ की चपेट में हैं। रावी, ब्यास और सतलुज नदियों में जलस्तर बढ़ने से पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन, होशियारपुर, कपूरथला, जालंधर, फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों के 200 से अधिक गांव डूब गए हैं। यहां एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना बचाव कार्य में जुटी हैं। रावी दरिया में उफान के कारण बुधवार को पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स के चार गेट टूट गए जिससे वहां तैनात 50 कर्मचारी फंस गए। उन्हें हेलीकॉप्टर से निकाल लिया गया। वहीं, गुरदासपुर जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय दबुड़ी में रात से फंसे 381 विद्यार्थियों और 70 शिक्षकों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

सेना अमृतसर ज़िले के रामदास क्षेत्र में पहुंच गई हैं, जहां बुधवार से लगभग 40 गांव जलमग्न हैं। ये टुकड़ियां प्रशासन और पुलिस के साथ मिलकर बचाव अभियान चला रही हैं। जवानों को अपने घरों में फंसे लोगों को बचाने के लिए सेना के वाहनों और नावों का इस्तेमाल करते देखा गया। सेना ने पानी में चलने वाले वाहनों को भी बचाव कार्य में लगा दिया है। रावी नदी के पास धुस्सी बांध के कम से कम तीन जगहों से पानी भर जाने के कुछ घंटों बाद नदी का पानी घरों में घुस गया। बचाव अभियान कल देर शाम तक जारी रहा। बुधवार को जलस्तर काफी बढ़ने से 20 से ज्यादा गांव जलमग्न हो गए थे, लेकिन अब ऐसे गांवों की संख्या बढ़ कर लगभग 40 हो गई है।

ये गांव हैं सबसे अधिक प्रभावित

सबसे अधिक प्रभावित गांवों में घोनेवाल, माछीवाल, मंगू नारू, शहजादा, जट्टन, कोट गुरबख्श, पशियान, निसोके, सिंघोके, महमद, मंदरावाला, घग्गर, धमार्बाद, रामदास, शामपुरा, कोटली शाह हबीब, नंगल सोहल, रूरेवाल, खतरा, पंडोरी, थांगई, मलिकपुरा, लंगरपुर, दुजोवाल, बेदी चन्ना, कोट रजादा, सूफियान, समराई शामिल हैं। भदल, छारपुर, गालिब, दरिया मंसूर, बाल लभे दरिया, नंगल अंब, कामिरपुरा, भैणी गिल, चक वाला, जगदेव खुर्द, साहोवाल, ढाई सिंहपुरा और बाजवा गांव शामिल हैं।

बचाव कार्यों की निगरानी के लिए उपायुक्त साक्षी साहनी, अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) रोहित गुप्ता और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मनिंदर सिंह सेना की टुकड़ियों के साथ सुबह करीब चार बजे इलाके में पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने स्पीकरों से घोषणाएँ कीं और लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया क्योंकि पानी तेजी से गांवों में घुस रहा है। साहनी ने कहा, जल स्तर बढ़ने और ज्यादा गांवों के जलमग्न होने के कारण, सरकारी वाहनों में चलना असंभव हो गया है, इसलिए लोगों को बचाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रेलरों और सेना के वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा हैह्व।

पंजाब में बाढ़ की स्थिति आज और बिगड़ गई जब रावी नदी का पानी तटबंधों को तोड़कर गुरदासपुर और अमृतसर ज़िलों में कई किलोमीटर अंदर तक घुस आया, जिससे गाँव और कृषि भूमि के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए। जम्मू में रावी नदी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के बाद 2.12 लाख क्यूसेक पानी पहुंचने से 150 साल पुराने माधोपुर हेडवर्क्स के तीन जलद्वार बह गए। अधिकारियों ने कल देर शाम यहां 54 जलद्वारों में से कुछ को खोलने के लिए राज्य भर से 90 लोगों को बुलाया था। ये द्वार भारी मात्रा में गाद जमा होने के कारण बंद हो गए थे।

हालांकि उन्होंने काम जारी रखा, लेकिन कई फुट ऊंची गाद जमा होने के कारण उनके लिए द्वार खोलना असंभव हो गया। जैसे-जैसे जल स्तर बढ़ता गया और द्वारों पर काम कर रहे तीन लोग तेज पानी में गिर गए, अभियान रोक दिया गया और काम पर लगे 60 कर्मियों को सेना द्वारा हवाई मार्ग से बाहर निकाला गया। गिरे हुए लोगों में से दो को बचा लिया गया, जबकि एक चार्जमैन लापता बताया गया है। जम्मू-कश्मीर में लगातार और भारी बारिश के कारण बुधवार देर शाम रावी नदी का जल स्तर 4.60 लाख क्यूसेक तक बढ़ गया, जिसके बाद पंजाब सरकार ने सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और नागरिक स्वयंसेवकों की मदद से आज तड़के बचाव और राहत अभियान शुरू कर दिया।

गौरतलब है कि मंगलवार रात्रि अपरबारी दोआब (यूबीडीसी) नहर में भारी पानी आने के कारण माधोपुर स्थित यूबीडीसी नहर पर बने दोनों पुलों के ऊपर से चार से पांच फीट पानी बह गया। इससे पुलों को भारी नुकसान हुआ और पुलों के साथ में लगी रेलिंग और नहर के किनारे बने एक होटल का पिछला हिस्सा भी पानी के बहाव में बह गया। इस स्थिति के चलते पुलों पर आवागमन मंगलवार रात से ही बंद कर दिया गया था। इसी प्रकार माधोपुर स्थित इंटरेस्टेड पुलिस नाके को भी पानी आने के डर से वहां से हटा लिया गया था, लेकिन बुधवार सुबह इसे फिर से स्थापित किया गया। सूत्रों के अनुसार रावी दरिया के ऊपर बने रेलवे लाइन का कुछ हिस्सा खिसक गया है। पानी का बहाव इतना तेज है कि नीचे से पिलर के हिलने का अंदाजा लगाया जा रहा है, जिसके चलते ट्रेनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। कठुआ से पठानकोट आने वाले रावी के पुल पर भी आवाजाही पूरी तरह से बंद है। उधर, पाकिस्तान में रावी दरिया में बाढ़ के कारण श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा व करतारपुर कॉरिडोर में पानी भर गया है। श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने बताया कि पाकिस्तान से मिली जानकारी के अनुसार श्री करतारपुर साहिब के मुख्य दरबार सहित पूरे परिसर में कई फीट भर गया है।

माधोपुर हेडवर्क्स का फ्लड गेट टूटा, एक कर्मचारी बहा, रावी नदी का जलस्तर बढ़ा

इंदौरा: पठानकोट जिले के माधोपुर हेडवर्क्स का फ्लड गेट टूट गया है, जिससे पानी तेजी से रावी नदी में जा रहा है। बताया जा रहा है उसमें गेट टूटने के कारण कर्मचारी पानी में बह गया है। गेट टूटने से रावी नदी में जलस्तर बढ़ गया है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार कुछ लोग फंसे भी हैं, जिनके बचाव के लिए वायुसेना की भी मदद ली जाएगी। डिप्टी कमिश्नर पठानकोट अदिते उप्पल, एडीसी पठानकोट और सिंचाई विभाग के अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। आपको बता दें कि जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और फ्लड गेट टूटने से रावी नदी के किनारे बसे गांव ज्यादा प्रभावित होंगे। देखिए घटना की तस्वीरें। हालांकि कुछ देर पहले डीसी पठानकोट ने माधोपुर का दौरा किया था और स्थिति नियंत्रण में बताई गई थी, लेकिन कुछ देर बाद ही तीन से चार फ्लड गेट टूटने से स्थिति साफ तौर पर गंभीर होती जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

असम से घर छोड़ ट्रेन से कोडरमा पहुंचा नाबालिग, आरपीएफ ने किया रेस्क्यू

कोडरमा : रेसुब पोस्ट कोडरमा के स्टेशन ड्यूटी में तैनात स्टाफ प्रधान आरक्षी अशोक कुमार पासवान और आरक्षी नरसी लाल मीणा कोडरमा स्टेशन के प्लेटफार्म पर गस्त के दौरान एक लावारिश बच्चा को घुमते हुए पाए उस बच्चे से पूछताछ किया तो उसने अपना नाम व पता असम बताया। आगे पूछताछ में बताया कि मैं अपने घर से गुस्सा होकर ट्रेन पकड़ कर भाग गया था अब मुझे घर जाना है मुझे मेरे घर पहुंचा दीजिए। तत्पश्चात उक्त नाबालिक के उज्ज्वल भविष्य हेतु रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन कोडरमा के रितिक कुमार को सूचित किया गया बाद रितिक कुमार अपने स्टाफ के साथ कोडरमा स्टेशन पर पहुंचे और उक्त नाबालिक बच्चों को सुपुर्दगिनामा बनाकर रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन कोडरमा सुपुर्द किया गया।

16 पीस किंगफिशर स्ट्रांग बियर जब्त, तस्कर गिरफ्तार

कोडरमा : आरपीएफ निरीक्षक कोडरमा दीपक कुमार के नेतृत्व में उप निरीक्षक सुशील कुमार साथ प्रधान आरक्षी अजय कुमार सिंह तथा प्रधान आरक्षी कमलेश सिंह सभी रेसुब,पोस्ट,कोडरमा के बल सदस्य कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 04 पर गस्ती के क्रम में एफओबी के पास पहूँचे तो एक व्यक्ति को काला रंग के पिठ्ठु बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में देखा गया। संदेह होने पर उनके पास जाकर पूछताछ किया गया तो उसने अपना नाम व पता विशाल कुमार, उम्र करीब 20 वर्ष, पिता संजय सिंह, चरकावाँ निचलाडीह, थाना रफीगंज, जिला औरंगाबाद (बिहार) का रहने वाला बताया। बैग को खोलकर चेक किया गया तो 16 अदद किंगफिशर स्ट्रांग बियर बरामद किया गया. उक्त व्यक्ति ने बताया कि बेरोजगार हैं इसलिए इसे बिहार ले जाकर अधिक दामों में बेचते हैं। बियर के बाबत न तो कोई कागजात दिखाये और ना ही संतोषप्रद जबाब दिये। जिसके बाद मौके पर ही उपस्थित गवाहों के समक्ष सहायक उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार दुबे, रेसुब पोस्ट कोडरमा के द्वारा उपर्युक्त बियर को जप्ती सूची बनाते हुए जप्त किया गया तथा पकड़े गये व्यक्ति का गिरफ्तारी सह जामातालाशी बनाते हुए गिरफ्तार किया गया तथा अग्रिम कार्यवाही वास्ते रेसुब पोस्ट कोडरमा पर लाया गया। जब्त सभी बियर की कुल क्षमता 8000 मिली. व कुल कीमत 2240 रुपए आंका गया। गिरफ्तार व्यक्ति को उत्पाद विभाग कोडरमा को अग्रिम कानूनी कार्यवाही करने हेतु सुपुर्द कर दिया गया है।

भूमि साक्षरता पर पीएलवी को मिला प्रशिक्षण

संवाददाता : जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोहरदगा और ग्राम नियोजन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में 27 अगस्त को व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित सभा कक्ष में 47 अर्ध कानूनी स्वयंसेवकों को ₹भूमि साक्षरता विषय पर मॉड्यूल वन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण₹ दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षण का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोहरदगा श्री राजकमल मिश्रा, डालसा सचिव श्री राजेश कुमार, एलएडीसीएस सहायक श्रीमती इंद्राणी कुजूर और ग्राम नियोजन केंद्र के इश्तेयाक अहमद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं ग्राम नियोजन केंद्र के इश्तेयाक अहमद ने सभी अर्ध कानूनी स्वयंसेवकों को झारखंड में जमीन के प्रकार, जमीन की बुनियादी समझ, जमीन संबंधी कागजात, पंजी टू, केवाला कराते समय आवश्यक दस्तावेज, रेवेन्यू कोर्ट की संरचना, जमीन रजिस्ट्री के बाद नामांतरण आदि पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। वहीं सहज रूप से जानकारी सुनिश्चित करने के लिए नाट्य मंचन के द्वारा तथ्यों को समझाया गया। इससे पूर्व उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पीडीजे सह अध्यक्ष डालसा ने उम्मीद जताया कि पीएलवी को प्रशिक्षण देने के पश्चात उनके द्वारा जमीनी विवादों को सुलझाया जा सकेगा। क्योंकि आपराधिक विवादों के जड़ में भूमि विवाद ही अंतर्निहित होते हैं। वहीं प्रशिक्षण के दौरान डालसा सचिव श्री राजेश कुमार एवं डिप्टी चीफ श्री उमेश कुमार ने प्रतिभागियों के कई प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रशिक्षण में ग्राम नियोजन केंद्र के पम्मी, सीमा के अतिरिक्त अधिवक्ता सह मध्यस्त लाल धर्मेंद्र देव, पुन्नू देवी, गौतम लेनिन, रवि कुमार, मीना कुमारी, इजहार अहमद, जितेंद्र राम, छाया देवी, अनिता कर्मकार, दुखिता मिंज, मंजू खाखा, रोहित कुमार, धनेश्वर साहू, प्रभु दयाल पासी, शीत महतो, सुरेश प्रसाद, प्रियांशु यादव, सुनेश्वर उरांव, प्रियंका कुमारी, विशाल सोनी, जीत नारायण शाही, प्रभु चरण उरांव, वीरचंद उरांव, रेणु कुमारी, श्रीमती कुमारी, अजहर अहमद, शाहिद हुसैन, हफीजुल अंसारी, अनिमा एक्का, प्रद्युमन सिंह, जयंती देवी, कलावती कुमारी, विकास ठाकुर, कलिंदर उरांव, पूजा देवी, निशा कुमारी, देवमणि कुमारी आदि उपस्थित थे।

ट्रेनों में वेटिंग ज्यादा होने पर लगे एसी चेयरकार

जमशेदपुर : ट्रेनों की एसी कोच में वेटिंग ज्यादा होने पर रेलवे को वातानुकूलित चेयरकार कार का एक कोच लगाने चाहिए। सिंहभूम चेंबर ऑफ कार्मस के सदस्य श्रवण कुमार देबुका ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रेलमंत्री को पत्र भेजकर यह मांग की है। व्यवसायी ने कहा कि, लंबी दूरी की ट्रेनों में टाटानगर के यात्रियों को ज्यादात्तर कंफर्म सीट नहीं मिलता है। इससे लोग कम दूरी की यात्रा के लिए एसी या स्लीपर कोच का टिकट नहीं लेंगे। वहीं, लंबी दूरी के यात्रियों को एसी श्रेणी में आसानी से बर्थ उपलब्ध हो जाएगा।

गणेश चतुर्थी पर पलामू डीआईजी ने किया पूजा पंडालों का दौरा

सौहार्द और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील

संवाददाता

मेदिनीनगर : गणेश चतुर्थी के अवसर पर पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम ने सोमवार को मेदिनीनगर शहर के विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कई स्थानों पर जाकर गणपति बप्पा के दर्शन किए और पूजा-अर्चना के समय उपस्थित रहे,क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि एवं आपसी भाईचारे की कामना की। डीआईजी ने सबसे पहले पंच मुहान चौक स्थित जैन मंदिर रोड पर बनाए गए विशाल एवं आकर्षक गणेश पंडाल का निरीक्षण किया। यहाँ स्थापित भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा को देखकर उन्होंने आयोजकों की सराहना की। पंडाल को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

इसके बाद डीआईजी नौशाद आलम चैनपुर थाना रोड पर जय किसान संघ कमिटी द्वारा आयोजित गणेश महोत्सव में पहुंचे। यहाँ भव्य प्रतिमा के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने भगवान गणेश की स्तुति में गीत-संगीत और नृत्य प्रस्तुत किया। दौरे के दौरान डीआईजी ने आयोजकों, स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की तथा उन्हें शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में गणेश पूजा मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ह्लगणेश चतुर्थी का पर्व सिर्फ धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है। इसे हम सभी को मिल-जुलकर मनाना चाहिए.ह्व

डीआईजी ने प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों को भी निर्देश दिया कि पूजा पंडालों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रहे, ताकि श्रद्धालु निर्भय होकर पूजा-अर्चना कर सकें। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था पर भी विशेष निगरानी रखने की बात कही।गणेश चतुर्थी के मौके पर मेदिनीनगर के विभिन्न इलाकों में भव्य पंडाल और आकर्षक मूर्तियाँ स्थापित की गई हैं। शहरभर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है और श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं।

मंईयां योजना का लाभ लेने के लिए उमड़ी प्रखंड कार्यालयों में भीड़

जमशेदपुर : झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभ से वंचित महिलाओं की भीड़ लगातार दूसरे दिन गुरुवार को सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में उमड़ पड़ी। जमशेदपुर शहरी क्षेत्र के तीन कार्यालयों समाहरणालय, जमशेदपुर प्रखंड सह अंचल और मानगो अंचल कार्यालय में अपने आवेदन की त्रुटियों को दूर करवाने के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय में तो स्थिति अनियंत्रित होने पर पुलिस को बुलाना पड़ा। हालांकि लाइन इतनी लंबी थी कि पुलिस को गेट के भीतर घुसने में भी मशक्कत करनी पड़ी। दरअसल मंईयां योजना के लाभ के लिए आवेदन करने वाली हजारों महिलाओं के खाते में विभिन्न कारणों से पैसा नहीं आ रहा है।इसका कारण जानने के लिए एक बार फिर से जिला प्रशासन ने शिविरों का आयोजन किया है। इसकी वजह से सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालय और मानगो अंचल कार्यालय में जबरदस्त भीड़ थी।

राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में गूंजा नारा - नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित राजव्यापी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में प्राचार्य डॉ. अयोध्या प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक व्याख्याता सह एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट संतोष कुमार रहे। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के संयोजक सह क्लोरोफिल स्कूल के निदेशक अजय अग्रवाल एवं जिला संपर्क प्रमुख दिलीप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। दोनों अतिथियों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि नशा किसी भी व्यक्ति की

प्रतिभा और उज्वल भविष्य को नष्ट कर देता है। यह शरीर, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। छात्र जीवन राष्ट्र निर्माण की नींव है, अतः विद्यार्थियों को चाहिए कि वे नशे से दूर रहकर अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच को अपनाएँ। यही वास्तविक देशभक्ति है। अतिथियों के इस संवाद ने छात्र-छात्राओं में नशा मुक्ति के प्रति नई ऊर्जा और जागरूकता का संचार किया। अंत में माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग के व्याख्याता सोहन तोपो ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा नशा मुक्ति एक सामाजिक अभियान है और इस दिशा में सभी की भागीदारी आवश्यक है। हम आभारी हैं कि हमारे बीच ऐसे प्रेरक वक्ता आए जिन्होंने विद्यार्थियों को सही राह दिखाने का कार्य किया। हम सब मिलकर नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में संकल्पित हैं। कार्यक्रम में छात्र- छात्राओं ने सक्रिय रूप से बढ़ चढ़कर भाग लिया मौके पर संस्थान के व्याख्याता सुश्री शाहीन अथर, मुकेश राणा सुनील कुमारआदित्य भगत रीता देवी ललिता देवी विक्की यादव चंदन पासवान उपस्थित रहे।

आपकी विकास पार्टी में कई दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने थामा दामन

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : आपकी विकास पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आपकी विकास पार्टी के द्वारा मांडू विधानसभा अंतर्गत हजारीबाग जिला में कुजू क्षेत्र के दाडी स्थित होटल आम्रपाली में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर आपकी विकास पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा मुख्य रूप से मौजूद रहे। वही कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में चर्चा हुई। इस दौरान भारी संख्यां में ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन सहित अन्य पार्टियों को छोड़कर लोग आपकी विकास पार्टी का दामन थाम लिया है। इस दौरान पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों का केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने माला पहनकर एवं उपहार के तौर पर बैग देकर सम्मान देने का काम किया। वही संबोधन में केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि लगातार जिस प्रकार से आपकी विकास पार्टी झारखंड के तमाम जिलों में बुनियादी समस्याओं को अपनी आवाज देने के साथ-साथ जनता के समस्याओं का समाधान पल भर में निकलने का कार्य कर रही है। जिसके कारण लगातार लोग आपकी विकास पार्टी की ओर अपना कदम बढ़ाते हुए पार्टी में शामिल होकर पार्टी के लिए समर्पित भाव के साथ कार्य करने की इच्छा जाता रहे हैं। वही लोकहीत में कार्य करने और आवाज उठाने के कारण लोग लगातार आपकी विकास पार्टी से जुड़ने के फलस्वरूप आपकी विकास पार्टी मजबूत होती चली जा रही है। आने वाले लोकसभा विधानसभा में एक मजबूत पार्टी बनकर उभरेगी। आपकी विकास पार्टी का दामन थामने वाले लोगों में मोहम्मद अरबाज हैदर, मोहम्मद अकरम अंसारी, मोहम्मद अल्ताफ राजा, मोहम्मद रयूब अंसारी, अजय करमाली, इमरान अंसारी, सज्जाद अंसारी, गुलबुद्दीन, अब्दुल हफीज, मोहम्मद जावेद आलम, सहित कई अन्य के नाम शामिल है।

कोडरमा जिले में गणेश पूजा धूमधाम से सम्पन्न

कोडरमा : जिले के विभिन्न गांवों, मुहल्लों और बाजारों में बुधवार को गणेश पूजा धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों और पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने गणपति बप्पा की आराधना कर सुख- समृद्धि की कामना की। जगह-जगह आकर्षक पंडाल बनाए गए थे, जिनमें भगवान गणेश की भव्य प्रतिमाओं ने लोगों का मन मोह लिया। शाम होते ही भक्ति गीतों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जयकारों से पूरा जिला भक्तिमय वातावरण में डूब गया। महिलाओं और युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ पूजा- अर्चना में हिस्सा लिया। वहीं नवलशाही के विभिन्न पूजा पंडालों का थाना प्रभारी शशिभूषण ने उद्घाटन किया। गणेश उत्सव को लेकर प्रशासन और स्थानीय समितियों की ओर से सुरक्षा एवं विधि- व्यवस्था की भी सख्त व्यवस्था की गई थी।

लातेहार एसपी कुमार गौरव के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण

एसपी के उपलब्धि और बेहतर कार्य जिला के लिए हैं गौरव

विनय मिश्रा

उपलब्धि कामयाबी और उत्कृष्ट कार्यो से नक्सलियों को बैकफुट पर भेजने के साथ-साथ उनकी गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण एसपी कुमार गौरव की उपलब्धि रही है। श्री गौरव एक वर्ष पूर्व तत्कालीन पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से अपना पदभार ग्रहण किया

था। इससे पूर्व वे जमशेदपुर हेडक्वार्टर के डीएसपी हेडक्वार्टर एवं सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापित रह चुके हैं तत्पश्चात कोडरमा के पुलिस अधीक्षक बनाए गए इसके अलावा वे साहेबगंज के एसपी रह चुके हैं। पुलिस अधीक्षक के रूप में लातेहार में इनकी तीसरी पदस्थापना है।

एसपी के रूप में आमलोगों के साथ प्रगाढ़ और मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित होने के साथ-साथ अपराध नियंत्रण और अपराधियों की धड़पकड़ उपलब्धि भरी है। श्री गौरव का कहना है कि कोई भी उन्हें गुप्त सूचना या जानकारी दे पुलिस उसपर त्वरित कार्रवाई करेगी। पुलिस लोगों की सदैव सच्ची और अच्छी मित्र है लोगों की आस और पुलिस पर विश्वास सदा बना रहे।

जयनगर डकैती काण्ड का कोडरमा पुलिस ने किया उद्भेदन

डकैती करने वाले 04 अंतराज्यीय अपराधी गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा पुलिस को मिली बड़ी सफलता हाथ लगी है जयनगर थाना क्षेत्र में ज्वेलरी डकैती की घटना में संलिप्त 04 अंतराज्यीय अपराधी को कोडरमा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना को लेकर पुलिस कप्तान अनुदीप सिंह ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया के समक्ष खुलासा करते हुए बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि विगत माह जयनगर थानान्तर्गत ग्राम साहेबडिह के शंकर प्रसाद वर्मा के घर में हुई डकैती की घटना में संलिप्त अपराधियों में से कुछ अपराधी कटहाडीह मैदान आस- पास देखे गये है। इस डकैती घटना के संर्दभ में वादी शंकर प्रसाद वर्मा, पिता स्व. रामस्वरूप स्वर्णकार, ग्राम साहेबडीह, थाना जयनगर, जिला कोडरमा के फर्दबायन के आधार पर जयनगर थाना कांड संख्या- 157/25 दिनांक- 03.07.2025, धारा- 310 (2) दर्ज किया गया था। उक्त सूचना का सत्यापन एवं कार्रवाई करने हेतु पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह द्वारा रतिभान सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (मु0), कोडरमा के नेतृत्व मे एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सूचना स्थान पर छापामारी की गई, जिस क्रम में 03 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जिससे घटना को अंजाम देने की बात स्वीकर की गयी तथा उनके निशानदेही पर लूटे गये सोना, चाँदी को देवी ज्वेलर्स, गुरारू (गया) के मालिक रंधीर कुमार के दुकान से बरामद कर दुकान मालिक को गिरफ्तार किया गया। रंधीर कुमार ने बताया अपराधियों के द्वारा लूटे गये सोने

एवं चांदी को उसने खरीदा था, जिसके एवज में वे अपराधियों को एक लाख अठारह हजार रुपए दिया था। गिरफ्तार चारो अपराधियों के अपराध स्वीकारोक्ति बयान एवं अनुसंधान से यह ज्ञात हुआ है कि इस घटना को 07 अन्तराज्यीय अपराधियो द्वारा अंजाम दिया गया है, जिसमें तीन (03) अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है तथा लूट का सोना एवं चांदी खरीदने वाले देवी ज्वेलर्स के दुकानदार रंधीर कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। शेष अपराधियों कि गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है। गिरफ़्तार अभियुक्त में मो. इसराफिल उर्फ गुड्डू मियाँ, उम्र 45 वर्ष, पिता मो. इजराईल, पता मारका वोट गुमो, थाना तिलैया, जिला कोडरमा।, राजेश बासफोर, उम्र 30 वर्ष, पिता जमुना बासफोर, पता बक्सुबिघा, थाना बिष्णुपथ, जिला गया (बिहार), राजेश पासवान, उम्र करीब 35 वर्ष, पिता स्व0 सुखदेव पासवान, पता- कुण्डी नवादा, थाना चानौती, जिला गया (बिहार), रंधीर सोनी, उम्र 30 वर्ष, पिता देवीलाल स्वणाकरि, सा. गुरारू बारा, थाना- गुरारू, जिला- गया (बिहार), वहीं पुलिस ने चोरी हुआ 394 ग्राम चाँदी, 597.600 ग्राम चांदी का जेवरात, 6.85 ग्राम सोना, 03 मोबाईल बरामद किया है। छापेमारी दल में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय रतिभान सिंह, जयनगर थाना प्रभारी बबलु कुमार, विकास कुमार, जयनगर थाना एवं अभिमन्यु पडिहारी, प्रभारी तकनीकी शाखा, कोडरमा एवं सशस्त्र बल, जयनगर थाना शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों का झारखंड बिहार के थानों में कई आपराधिक इतिहास भी शामिल है।